शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 255 | गुवाहाटी | शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

परमाणु मुद्दे पर मध्यस्थता को हम तैयार पेज 2
वक्फ संशोधन कानून पर असम भाजपा की कार्यशाला, विरोधियों पर भ्रम ... पेज 3
अमेरिका में गिरफ्तार हैप्पी पासिया को भारत लाने की कार्रवाई शुरू पेज 5
17 साल के सफर में विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनी आईपीएल पेज 7

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राज्य में पंचायत चुनाव से पहले 2,900 से अधिक उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए

गुवाहाटी। असम में आगामी पंचायत चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के अनुसार, विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 2,902 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। इनमें से जिला परिषद (जेडपीसी) निर्वाचन क्षेत्रों में 34 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, आंचलिक पंचायत (एपीसी) में 311 उम्मीदवार और गांव पंचायत (जीपीसी) सीटों में 2,557 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। नामांकन वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद यह घोषणा की गई। वहीं मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एनडीए की शुरुआती बढ़त के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 37 जेडपीसी उम्मीदवार (भाजपा के 35 और अगप के 2) और 288 एपीसी उम्मीदवार (भाजपा के 259 और अगप के 29) बिना किसी मुकाबले के चुने गए हैं। शर्मा ने कहा कि यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक विशाल और अभूतपूर्व जनादेश है। यह एनडीए और हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति असम के लोगों के असीम विश्वास और अपार प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि अंतिम परिणाम एनडीए के पक्ष में और भी निर्णायक होंगे, उन्होंने दावा किया कि गठबंधन एक व्यापक जीत के लिए तैयार है। शर्मा ने असम के लोगों का आभार भी व्यक्त किया और पार्टी कार्यकर्ताओं की उनके अथक जमीनी प्रयासों के लिए प्रशंसा की। कछार जिले ने जीपीसी श्रेणी में सबसे अधिक निर्विरोध जीत दर्ज की, जिसमें 319 सदस्य निर्विरोध चुने गए, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने *झूठी खबर* फैलाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की

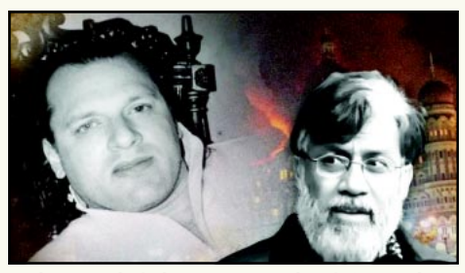

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की और उस पर गलत सूचना फैलाने और पंचायत चुनावों से पहले राज्य की छवि खराब करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी असम में कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद आई है कि उनके पंचायत चुनाव उम्मीदवारों को नामांकन वापस लेने के लिए धमकाया जा रहा है। आरोपों का जवाब देते हुए शर्मा ने उन्हें निराधार बताया और दावा किया कि कांग्रेस लगातार असम को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष के इस दावे को चुनौती दी कि पुलिस का इस्तेमाल उम्मीदवारों को धमकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईए के सामने तहव्वुर राणा का बड़ा खुलासा

हेडली है 26/11 हमले का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने एनआईए की कस्टडी में बड़ा खुलासा किया है। सूत्रों का कहना है कि तहव्वुर राणा 26/11 के हमले में खुद की भूमिका से इनकार कर रहा है। उसने हेडली को हमले का मास्टरमाइंड बताया है। उसने जांच एजेंसी से कहा है कि हमले में उसकी कोई भूमिका नहीं है। हेडली जिम्मेदार है। सूत्रों ने ये भी बताया कि तहव्वुर राणा को अपने परिवार की चिंता सता रही है। वो परिवार से बातचीत करना चाहता है। उसनेभाई से बात करने के बारे में जांच एजेंसी से प्रक्रिया पूछ रहा है। एनआईए की हिरासत में राणा पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। वो नॉनवेज खाना -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी और एलन मस्क ने भारत-अमेरिका सहयोग पर चर्चा की

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और प्रौद्योगिकी तथा नवाचार में अमेरिका के साथ सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह बातचीत मोदी की वॉशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान मस्क के साथ हुई उनकी चर्चाओं पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने बातचीत में प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भारत -शेष पृष्ठ दो पर

11वीं कक्षा के पेपर लीक मामले में मेडिकल छात्र गिरफ्तार : सीआईडी

गुवाहाटी। असम पुलिस की सीआईडी ने शुक्रवार को एक मेडिकल कॉलेज के छात्र को पैसे लेकर राज्य बोर्ड की 11वीं कक्षा के गणित के प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी मेडिकल छात्र अंशकालिक शिक्षक के रूप में भी काम करता है और वह नगांव स्थित एक निजी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के मालिक का बेटा है। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 21 मार्च को आयोजित की जाने वाली उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रथम वर्ष का गणित का पेपर लीक हो गया। इसने अधिकारियों को परीक्षा रद्द करने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर किया। आपराधिक जांच विभाग में भी शिकायत दर्ज -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जैसे एक बछड़ा हजारो गायों के झुंड मे अपनी मां के पीछे चलता है। उसी प्रकार आदमी के अच्छे और बुरे कर्म उसके पीछे चलते हैं।

- आचार्य चाणक्य

अवैध डंपर से पैसे लेने के आरोप में प्रवर्तन अधिकारी गिरफ्तार

गुवाहाटी। महानगर में अवैध डंपर से पैसे लेने के आरोप में पुलिस ने आज एक प्रवर्तन अधिकारी को गिरफ्तार किया। वशिष्ठ निवासी 20 वर्षीय उक्त अधिकारी की पहचान नव डेका के रूप में की गई है। बता दे कि डंपर के मालिक नव डेका को पैसे देकर अवैध रूप से चट्टान, रेत और लाल मिट्टी परिवहन करता था। मालूम हो कि अवैध रूप से चलने वाली इस तरह के डंपर से राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार राज्य पुलिस कुछ दिनों से इन डंपरों के खिलाफ अभियान चला रही है। इससे पहले भी पुलिस ने डंपरों से धन उगाही के मामले में पांच दलालों को गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस ने पंचायत चुनाव के लिए जारी किया घोषणा पत्र

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम पंचायत चुनाव के लिए शुक्रवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें सत्ता का पंचायतों तक वास्तविक विकेंद्रीकरण करने और ग्राम स्तर के निकायों में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होने देने को सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया है। पार्टी ने पंचायती राज की योजनाओं का विस्तार करते हुए मौजूदा सरकार के तहत अधूरे कामों को पूरा करने का भी वादा किया। राज्य में पंचायत चुनाव 34 जिलों में से 27 में दो चरणों में दो मई और सात मई को होने हैं। मतगणना 11 मई को होगी। संविधान की छठी अनुसूची के -शेष पृष्ठ दो पर

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

पीएम मोदी बोले- हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण

नई दिल्ली। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह एक वैश्विक पहल है जो उत्कृष्ट मूल्य की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करती है। यह वैश्विक मान्यता भारत की दस्तावेजी विरासत में एक निर्णायक मील का पत्थर है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने सराहना की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने श्रीमद्भगवद् गीता को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किए जाने की सराहना की। सीएम शर्मा ने लिखा कि भारत के सभ्यतागत सार को वैश्विक मान्यता मिली है। यह सभी के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे शाश्वत ज्ञान के भंडार गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है।

उपराष्ट्रपति के बयान पर भड़के सिब्बल

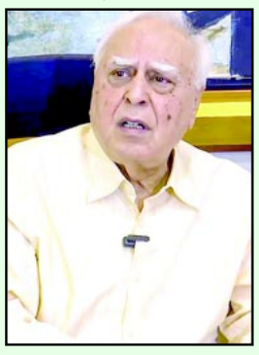

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले की आलोचना की थी। उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि यह असंवैधानिक है और उन्होंने कभी किसी राज्यसभा के सभापति को इस तरह का राजनीतिक बयान देते नहीं देखा। कपिल सिब्बल ने कहा कि उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति और राज्यपाल के बारे में पता होना चाहिए, जिन्हें मंत्रियों की सहायता और सलाह पर काम करना होता है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से विधेयकों को रोकना वास्तव में विधानमंडल की सर्वोच्चता -शेष पृष्ठ दो पर

2000 रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगेगा 18 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली। सरकार कथित तौर पर 2,000 रुपए से अधिक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के प्रस्ताव की समीक्षा कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस तरह की चर्चा जोरो पर है। वित्त मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह दावा कि सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने पर विचार कर रही है, पूरी तरह से झूठा, भ्रामक और निराधार है। वर्तमान में सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। मार्च महीने में भारत में यूपीआई के जरिए लेनदेन 24.77 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यूपीआई पर जीएसटी चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि कई रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई थी कि कि यूपीआई -शेष पृष्ठ दो पर

रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन के प्रति सुर बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं हैं। वह जल्द ही यूक्रेन के साथ एक मिनरल्स डील (खनिज उत्पादन से संबंधित) पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे हैं। इस समय इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अमेरिका की यात्रा पर हैं। मेलोनी के साथ वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद में सामान्य हो रहे हालात, सुरक्षा बल तैनात

मुर्शिदाबाद। वक्फ कानून के विरोध में भड़की हिंसा की आग में झुलस रहे मुर्शिदाबाद में अब हालात सामान्य होने लगे हैं। दुकानें खुल रही हैं, लोग घरों से निकल रहे हैं। मगर लोगों के मन में फिर से अशांति पनपने को लेकर डर है। हालांकि हालात से निपटने के लिए धुलियान क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनात की गई है। धुलियान क्षेत्र में कई लोगों ने आठ दिन बाद दुकान खुलीं। आठ दिन बाद दुकान खोलने वाले मोची शिवा रविदास ने कहा कि बाजार में कई दुकानें खुलीं, लेकिन हिंदुओं की दुकानें बंद रहीं। मैंने हिंसा वाले दिन आखिरी बार दुकान खोली थी और आज आठ दिन बाद दुकान खोली है। क्षेत्र में बहुत अराजकता थी। कल पुलिस और सुरक्षा बलों ने सुरक्षा का आश्वासन देकर दुकान खोलने के लिए कहा था। मोची शिवा ने कहा कि मैंने दुकान खोल ली -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद कांग्रेस पार्टी अब पूरी तरह से सख्त हो गई है। पार्टी ने तय किया है कि वो सिर्फ कोर्ट में ही नहीं, बल्कि सड़कों पर भी भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर विरोध करेगी। इस बार कांग्रेस का विरोध केवल ईडी (ईडी) दफ्तर के बाहर सांकेतिक रूप से नहीं होगा, बल्कि भाजपा के खिलाफ सीधी राजनीतिक लड़ाई की तरह होगा। पार्टी अब देशभर में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने जा रही है। राहुल गांधी पहले से तय कार्यक्रम के तहत अमेरिका के बोस्टन शहर जा चुके हैं, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में भी कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सलियों ने सरकार से की शांति वार्ता के लिए एक महीने तक ऑपरेशन रोकने की मांग, जारी किया पर्चा

जगदलपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने पर्चा जारी कर शांति वार्ता के लिए एक महीने तक नक्सल ऑपरेशन रोकने की मांग की है। यह पर्चा नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी रूपेश ने जारी किया है। इस पर्चे में शांति वार्ता को लेकर 8 अप्रैल को दिए गए पहले के बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को धन्यवाद दिया है। इस पर्चे में उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी ने कहा कि सुरक्षा की गारंटी देते हुए इस कोशिश को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। इस पर्चे में आरोप लगाया गया है कि कोशिश का मुख्य उद्देश्य ऑपरेशन कगार के नाम से हो रहे हत्याकांड को तुरंत रोक होना चाहिए। समस्या का हल होना चाहिए ताकि शांति वार्ता के जरिए इसे हासिल किया जा सके। हमारी पेशकश के पीछे और कोई रणनीति नहीं है। जब आप और हम वार्ता के लिए तैयार हैं, तो दोनों ओर से कम से कम अस्थायी तौर पर युद्ध विराम का एलान करना लाजमी है। यह शर्त के दायरे में नहीं आता, बल्कि शांति वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने का हिस्सा है। -शेष पृष्ठ दो पर

युवाओं को शाखा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयोग शुरू करेगा संघ

अलीगढ़/लखनऊ (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य का आधार नित्य प्रति लगने वाली शाखा है। इसलिए युवाओं को संगठन से जोड़ने और शाखा पर विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विशेष प्रयोग शुरू करेगा। शताब्दी वर्ष के निमित्त प्रांत ईकाइयों को युवाओं के विशेष कार्यक्रम करने के लिए भी कहा गया है। इस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रूसी विदेश मंत्री का ईरान-यूएस को लेकर बड़ा बयान, कहा-

परमाणु मुद्दे पर मध्यस्थता को हम तैयार

मॉस्को। मॉस्को ने कहा कि वह तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध को कूटनीतिक रूप से हल करने में मदद करने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सब कुछ करने के लिए तैयार है। रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियारों का भंडार है। उसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से ईरान के साथ अपने सैन्य संबंधों को मजबूत किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा रूसी संघ राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से स्थिति के समाधान में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करने के लिए तैयार है। उनकी यह टिप्पणी एक ईरानी सांसद द्वारा सरकारी समाचार

एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस और चीन तेहरान और वाशिंगटन के बीच किसी भी भावी समझौते के संयुक्त गारंटर के रूप में काम कर सकते हैं। रूस ने हाल के हफ्तों में तनाव कम करने के लिए कई अपीलें जारी की हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी थी कि अगर उसने अपने परमाणु कार्यक्रम की सीमाओं पर बातचीत करने से इनकार कर दिया तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। पेसकोव ने यह नहीं बताया कि मॉस्को गारंटर की भूमिका निभाएगा या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि क्रेमलिन ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दूसरे दौर की वार्ता पर भरोसा कर रहा है। ईरानी और अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की, जो 2018 में ट्रंप द्वारा एक ऐतिहासिक परमाणु समझौते से हटने के बाद से उनके उच्चतम स्तर के संपर्क को चिह्नित करता है।

तरनतारन में मुठभेड़ आतंकी लांडा के दो गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और तरनतारन पुलिस की टीम ने शुक्रवार की अल सुबह मुठभेड़ के बाद आतंकी लांडा हरिके के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्तौल बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स पंजाब व तरनतारन पुलिस के एक संयुक्त ऑपरेशन में आतंकवादी लांडा हरिके और गैंगस्टर सत्ता नौशेरा के दो प्रमुख सहयोगियों को युवराज उर्फ जग्गू और महकप्रीत उर्फ महक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जवंदा गांव, तरन तारन के पास से एक मुठभेड़ के बाद की गई है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दोनों गुर्गों को गोली लगी है, जिन्हें पुलिस सुरक्षा में इलाज के लिए सिविल अस्पताल

अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता ने संभव जैन से किया विवाह

नई दिल्ली (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता का शुक्रवार को उनके कॉलेज मित्र संभव जैन के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। दिल्ली के कपूरथला हाउस में शादी और रिसेप्शन दोनों हुए। कपूरथला हाउस पंजाब के मुख्यमंत्री का दिल्ली में आधिकारिक आवास है। विवाह समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आयी हैं। वीडियो में अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान समारोह में डांस करते देखे जा सकते हैं। हर्षिता और संभव की मुलाकात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में हुई थी। दोनों यहां एक साथ पढ़ते थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कुछ चुने हुए मेहमान इस शादी में शामिल हुए। इसमें आम आदमी पार्टी के कई नेता शामिल रहे।

सोनीपत में किसान से मांगी 50 लाख फिरौती

सोनीपत (हिंस)। गोहाना में एक किसान परिवार को धमकी भरा पत्र भेजकर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। आरोपियों ने रकम 24 घंटे में न देने पर जान से मारने की धमकी दी है, जिससे परिवार में दहशत का माहौल है। पुलिस ने थाना बरोदा में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव छिछड़ाना निवासी रविंद्र ने बताया कि वह खेती करता है और एक मध्यम वर्गीय किसान है। रात एक अज्ञात युवक, जिसने खुद को संदीप बताया, उसके घर आया और गेट के ऊपर से एक धमकी भरा पत्र फेंक गया।

अजनाला में पुलिस थाने के पास फिर ग्रेनेड हमला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला में पुलिस थाना के पास शुक्रवार की सुबह ग्रेनेड से हमला हुआ है। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। इस मामले में पुलिस कुछ भी बताने से बच रही है। इस विस्फोट के कुछ घंटे बाद बब्बर खालसा का आतंकी हैप्पी पासिया के सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस हमले की जिम्मेदारी ली गई है। आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैप्पी पासिया के अमेरिका में गिरफ्तार होने की खबर के बाद अजनाला में शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे हुए ग्रेनेड हमला हुआ है। इस ग्रेनेड धमाका को लेकर पंजाब पुलिस पूर्व की तरह कुछ नहीं बोल रही है। इस हमले के कुछ घंटे बाद बब्बर खालसा आतंकी हैप्पी पासियां के सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर हमले की जिम्मेदारी ली गई है। हमले की जिम्मेदारी हैप्पी पासिया के साथी जीवन फौजी ने सोशल मीडिशा पर एक पोस्ट डालकर ली है। जीवन फौजी ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि थाने में जो धमाका हुआ है, वह उसी ने करवाया है। उसने कहा कि बिना कारण उनके साथियों को जेल से लाकर अवैध दस्तावेज बनाए जा रहे हैं और उसके बाद उनके परिवारों को तंग किया जा रहा है। पोस्ट में कहा गया कि पुलिस जिस तरह का माहौल तैयार कर रही है, वह 1984 का दौर वापस ला रही है। जीवन फौजी ने लिखा कि अगर पुलिस ने इसी तरह अपनी कार्रवाई जारी रखी तो आने वाले समय में पुलिस के लिए मुश्किलें और बढ़ जाएगी।

ट्रेन पलटाने की साजिश रचने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : आयुक्त

लखनऊ (हिंस)। रहीमाबाद रेलवे स्टेशन पर मंगलवार-बुधवार देर रात को पटरी पर पेड़ की डाल रखकर सहरसा-आनंद विहार गरीब रथ एक्सप्रेस (05577) पलटाने की साजिश रची गई थी। लोको पायलट की सूझबूझ से दुर्घटना टल गई। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच एजेंसियां सक्रिय हैं। रेलवे ट्रैक के आसपास के सभी गांवों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में पंचायत चुनाव...

उसके बाद शोणितपुर में 261 और कामरूप में 237 सदस्य चुने गए। एपीसी श्रेणी में कामरूप फिर से सबसे आगे रहा जहां 42 उम्मीदवार बिना विरोध के निर्वाचित हुए, उसके बाद शोणितपुर में 36 और नगांव में 32 उम्मीदवार निर्वाचित हुए। नामांकन दाखिल करने वाले 7,173 उम्मीदवारों में से 179 के आवेदन खारिज कर दिए गए और 385 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया, जिससे चुनावी मैदान में 6,606 उम्मीदवार बचे। धुबड़ी जिले में सबसे ज्यादा 486 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, उसके बाद कछार (445), नगांव (427), बरपेटा (352) और हैलाकांदी (332) हैं। इसके विपरीत, कामरूप मेट्रो में सबसे कम भागीदारी दर्ज की गई, जहां सिर्फ 21 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। प्रमुख जिलों से उम्मीदवारों के आंकड़े हैं- कामरूप (297 उम्मीदवार), शिवसागर और मोरीगांव (221 प्रत्येक), तिनसुकिया (266), डिब्रूगढ़ (269), लखीमपुर (259), जोरहाट (243), शोणितपुर (196), नलबाड़ी (155), माजुली (57) और दरंग (55)। बड़ी संख्या में निर्विरोध जीत ने पंचायत चुनावों में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिससे विपक्ष की तैयारियों और जमीनी स्तर पर मतदाताओं की भागीदारी पर सवाल उठ रहे हैं। एनडीए ने पहले ही सैकड़ों सीटें जीत ली हैं, अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बाकी मुकाबले कैसे सामने आते हैं। चुनाव में कुल 1,80,36,682 मतदाता भाग लेंगे, जिनमें 90,71,264 पुरुष मतदाता और 89,65,010 महिला मतदाता शामिल हैं। यह 2018 के पंचायत चुनावों की तुलना में 13.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसमें कुल 1,56,41,456 मतदाता थे। चुनाव 21,920 ग्राम पंचायत (जीपी) सदस्यों, 2,190 जीपी अध्यक्षों, 2,192 जीपी उपाध्यक्षों, 2,192 आंचलिक पंचायत (एपी) सदस्यों, 181 एपी अध्यक्षों, 181 एपी उपाध्यक्षों और 387 जिला परिषद (जेडपी) सदस्यों के लिए आयोजित किए जाएंगे।

सीएम ने झूठी खबर ...

घटनाएं वास्तव में हुई होतीं, तो स्थानीय समाचार पत्रों या टीवी चैनलों पर उनकी व्यापक रिपोर्टिंग होती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह कह रही है, लेकिन मैंने स्थानीय समाचार पत्रों या टीवी चैनलों पर ऐसी खबरें नहीं देखी हैं। उन्होंने हाल ही में हुए राभा हसोंग चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण और बिना किसी घटना के हुई। उन्होंने कहा कि असम में 22,000 गांव हैं। उन्होंने केवल एक या दो अलग-अलग मामलों की ओर इशारा किया है। अगर वे प्रशासन को सूचित करते हैं, तो प्रशासन तुरंत उस पर कार्रवाई करेगा, उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तटस्थता बनाए रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा असम को बदनाम करने की कोशिश करती है, उन्होंने उत्पीड़न के विशिष्ट आरोपों या घटनाओं की रिपोर्टिंग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी तक किसी भी उम्मीदवार ने आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस नेता प्रद्युत बरदलै और भूपेन बोरा ने डीजीपी से बात की होगी, लेकिन कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

हेडली है 26/11...

चाहता है लेकिन उसे नियमों के आधार पर ही खाना दिया जा रहा है। तहव्वुर राणा का स्वास्थ्य फिलहाल ठीक है। उसका समय पर मेडिकल हो रहा है। जांच एजेंसी तहव्वुर राणा को 26/11 हमले में मिले सबूतों को दिखाकर पूछताछ रही है। सूत्रों का ये भी कहना है कि तहव्वुर राणा, जिसे सेंट्रलाइज्ड एसी बिल्डिंग में रखा गया है, वो दिल्ली की गर्मी से परेशान है। राणा का कहना है कि यहां बहुत ज्यादा गर्मी है। वो कनाडा में रहने वाले अपने छोटे भाई से बात करना चाहता है। राणा पूछताछ के दौरान अधिकारियों से भारत की न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिशें कर रहा है। वो अपने खिलाफ लगे सेक्शन में कानून की धाराओं के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को मुंबई हमले में तहव्वुर राणा और पाकिस्तान के कनेक्शन पर बड़ा बयान आया था। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि पाकिस्तान लाख कोशिशें कर ले लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी पहचान बनी ही रहेगी। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी है कि उसे मुंबई हमलों के अन्य अपराधियों को कटघरे में लाना होगा।

पीएम मोदी और एलन ...

और अमेरिका के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए पोस्ट किया कि एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

11वीं कक्षा के पेपर ...

कराई गई। सीआईडी अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान, यूपीआई लेनदेन और कुछ छात्रों के बयानों के माध्यम से हमें पता चला कि नगांव मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के एक 26 वर्षीय छात्र ने पैसे के बदले में पेपर लीक किए। आरोपी व्यक्ति के पिता नगांव में प्राथमिक से 12वीं तक की कक्षाओं वाले एक निजी स्कूल के मालिक हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया और सीआईडी हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को पहले भी चोरी और अपहरण से संबंधित दो मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। राज्य में इस वर्ष कक्षा 11 की परीक्षाएं विवादों में रहीं, गणित के पेपर लीक होने के बाद विभिन्न स्थानों पर पेपर लीक होने की खबरें आईं, जिसके कारण 24 से 29 मार्च तक 36 विषयों की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गईं। उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष या कक्षा 11 की परीक्षाएं 6 मार्च को शुरू हुईं और 29 मार्च तक जारी रहने वाली थीं। राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा था कि गणित का पेपर लीक हुआ, क्योंकि राज्य भर में तीन सरकारी संस्थानों सहित 18 स्कूलों ने निर्धारित परीक्षा से एक दिन पहले सुरक्षा सील तोड़ दी थी। उन्होंने कहा था कि एएसएसईबी ने निर्धारित समय से पहले कक्षा 11वीं के गणित के प्रश्नपत्रों की सील तोड़ने के कारण 10 जिलों के 15 निजी स्कूलों की संबद्धता निलंबित कर दी है।

कांग्रेस ने पंचायत ...

अंतर्गत आने वाले और स्वायत्त परिषद चुनावों वाले सात जिलों में ये चुनाव नहीं होंगे। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख भूपेन कुमार बोरा ने यहां पंचायत चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि कोई अवास्तविक वादे नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि दीर्घकालिक व्यावहारिक आश्वासन दिए गए हैं जो हमारे ग्रामीण जीवन की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकता में गहरी जड़े जमाए हुए हैं। बोरा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता के विकेंद्रीकरण की नीति का पालन करती है और यह स्पष्ट रूप से पार्टी के घोषणा पत्र में प्रदर्शित होता है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रमुख एवं घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा ही पंचायती राज संस्थाओं के साथ खड़ी रही है और हमारा एक प्रमुख आश्वासन पंचायत चुनाव समय पर कराना रहा है। पूर्व सांसद ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार के तहत पंचायत स्तर पर बहुत अधिक राजनीतिक हस्तक्षेप है, जो सत्ता के विकेंद्रीकरण की अवधारणा को कमजोर करता है। सत्ता में आने पर, कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं के बराबर हो। पार्टी टिकट के लिए नेताओं द्वारा पैसे मांगने के आरोपों पर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्हें पांच जिलों से 17 शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमारे प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह जी से एक जांच समिति गठित करने का अनुरोध किया है। मुझे विश्वास है कि वह जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। यह सभी शिकायतों पर गौर करेगी और पंचायत चुनाव के नतीजे घोषित होने से पहले हम जवाबदेही तय करेंगे।

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को ...

समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दर्शाते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों की एक बड़ी मान्यता है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को मान्यता दी गई है, जिन्होंने पीढ़ियों से समाज को प्रभावित किया है। भगवद गीता, भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच एक पवित्र संवाद है, जिसे लंबे समय से आध्यात्मिक और दार्शनिक आधारशिला माना जाता है। इस बीच, प्राचीन ऋषि भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को प्रदर्शन कलाओं, विशेष रूप से रंगमंच, नृत्य और संगीत पर आधारभूत ग्रंथ माना जाता है। 18 अध्यायों में 700 श्लोकों वाली भगवद् गीता महाकाव्य महाभारत के भीष्मपर्व (अध्याय 23-40) में समाहित है। यह भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद का रूप लेती है, जिसमें सेनाएं अर्जुन को निराशा से मुक्त करने के उद्देश्य से महायुद्ध के लिए तैयार हैं। भगवद गीता निरंतर, संचयी प्राचीन बौद्धिक भारतीय परंपरा में एक केंद्रीय ग्रंथ है, जो वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे विभिन्न विचार आंदोलनों का संश्लेषण करता है। अपनी दार्शनिक व्यापकता और गहराई के कारण, भगवद गीता को दुनिया भर में सदियों से पढ़ा जाता रहा है और कई भाषाओं में इसका अनुवाद किया गया है। उधर शुक्रवार को इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति- यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड के सदस्य प्रोफेसर (डॉ.) रमेश चंद्र गौर ने कहा कि यह भारत के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को आधिकारिक तौर पर यूनेस्को के प्रतिष्ठित मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। ये दो आधारभूत ग्रंथ अब इस वर्ष मान्यता प्राप्त 74 नई प्रविष्टियों में शामिल हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर शिलालेखों की कुल संख्या 570 हो गई है। उन्होंने कहा कि गीता, एक कालातीत दार्शनिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक है, जिसने दुनिया भर में नैतिक विचार, नेतृत्व और व्यक्तिगत परिवर्तन को आकार दिया है। लगभग 80 भाषाओं में अनुवादित, यह विद्वानों, साधकों और निर्णय लेने वालों के साथ समान रूप से प्रतिध्वनित होता रहता है। डॉ रमेश चंद्र गौर ने बताया कि नाट्यशास्त्र, प्रदर्शन, सौंदर्यशास्त्र और शास्त्रीय कलाओं पर एक अद्वितीय ग्रंथ है, जो रंगमंच और प्रदर्शन परंपराओं पर सबसे व्यापक दस्तावेजों में से एक है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य, नाटक और संगीत पर इसका प्रभाव गहरा है, और वैश्विक प्रदर्शन सिद्धांत के लिए इसकी प्रासंगिकता स्थायी बनी हुई है। इन अतिरिक्त प्रविष्टियों के साथ, भारत के पास अब अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर में 14 शिलालेख हैं - जो हमारी सभ्यतागत ज्ञान प्रणालियों की गहराई, निरंतरता और वैश्विक महत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक है। भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता में योगदान देना - जिसमें रामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता, नाट्यशास्त्र और पंचतंत्र जैसे महाकाव्य और क्लासिक्स शामिल हैं - एक सम्मान और एक गहरी जिम्मेदारी दोनों है। ये मान्यताएं न केवल प्रतीकात्मक जीत हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी विरासत हैं। उल्लेखनीय है कि नाटकों के संबंध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्यशास्त्र कहते हैं। इस जानकारी का सबसे पुराना ग्रंथ भी नाट्यशास्त्र के नाम से जाना जाता है जिसके रचयिता भरत मुनि थे। भरत मुनि का जीवनकाल 400 ईसापूर्व से 100 ई के मध्य किसी समय माना जाता है।

2000 रुपए से अधिक...

भुगतान या 2,000 रुपए से अधिक के लेन-देन पर जीएसटी लगाया जाएगा। इसने यूपीआई उपयोगकर्ता वर्ग, व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं से लेकर छोटे व्यवसाय मालिकों तक सभी को चौंका दिया था। दावा किया जा रहा था कि यदि इसे मंजूरी मिल जाती है, तो इन उच्च-मूल्य वाले लेनदेन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जा सकता है, जो कि अधिकांश डिजिटल सेवाओं के लिए मानक दर है। रिपोर्ट के अनुसार, कहा जा रहा था कि 2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई भुगतान पर जीएसटी लागू होने के बाद, पीयर-टू-पीयर और मर्चेंट ट्रांजैक्शन दोनों को इसमें शामिल किया जा सकता है। प्रस्तावित जीएसटी दर 18 प्रतिशत के आसपास रहने की संभावना है। भारत का जीएसटी संग्रह फरवरी 2025 में 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ हो गया। शनिवार, 1 मार्च को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़, राज्य जीएसटी 43,704 करोड़, एकीकृत जीएसटी 90,870 करोड़ और मुआवजा उपकर 13,868 करोड़ रहा।

रूस-यूक्रेन युद्ध ...

कहा कि वह जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं मानते। लेकिन इस बात से भी खुश नहीं हूं कि उस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है। साथ ही उन्होंने जल्द ही युक्रेन के साथ मिनरल्स डील पर हस्ताक्षर करने की बात कही। ट्रंप ने यह बयान इटली की प्रधानमंत्री के सामने दिया है, इसलिए भी इसे खासा अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप युद्ध को लेकर जेलेंस्की पर खासे हमलावर रहे हैं। उन्होंने बीते दिनों व्हाइट हाउस में जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार बताया था। इस दौरान ट्रंप और जेलेंस्की के बीच वाकयुद्ध तक हो गया था। उसके बाद जेलेंस्की ने ट्रंप को यूक्रेन आकर रूस द्वारा मचाई गई तबाही को देखने का न्यौता दिया था।

उपराष्ट्रपति के बयान ...

में दखलंदाजी है। यह धनखड़ जी (उपराष्ट्रपति) को पता होना चाहिए, वे पूछते हैं कि राष्ट्रपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है? कपिल सिब्बल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा कि सभी जानते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी दोनों के बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी मतदान नहीं करते, वे केवल तब मतदान करते हैं जब बराबरी होती है। यही बात उच्च सदन के साथ भी है। आप विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के बीच समान दूरी पर होते हैं। इस दौरान कपिल सिब्बल ने जोर देते हुए कहा कि आप जो भी कहते हैं, वह समान दूरी पर होना चाहिए। कोई भी अध्यक्ष किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। मैं यह नहीं कहता कि वह हैं, लेकिन सिद्धांत रूप में कोई भी अध्यक्ष किसी भी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। अगर ऐसा लगता है तो कुर्सी की गरिमा कम हो जाती है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गुरुवार को न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहे, कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की तरफ से विचार के लिए रखे गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा तय करने की मांग की थी। इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।

ईडी के खिलाफ ...

प्रदर्शन की पूरी तैयारी कर चुकी है। प्रदर्शन की तारीख 21 से 25 अप्रैल के बीच होगी और इसका पूरा एलान शनिवार को किया जाएगा। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी के सभी महासचिवों, राज्यों के प्रभारियों और मोर्चा संगठनों के प्रमुखों से मिलकर इस प्रदर्शन की जिम्मेदारी सौंपेंगे। इस बार दिल्ली कांग्रेस की तरह कोई हल्का विरोध नहीं, बल्कि पूरा जोरदार अभियान चलाया जाएगा। ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके बाद बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन किया। ईडी ने 12 अप्रैल को एजेएल की 661 करोड़ रुपए की संपत्तियों को कब्जे में लेने का नोटिस भी जारी किया था। ये कार्रवाई दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में की गई। अब इस केस की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि नेशनल हेराल्ड कांग्रेस का अपना अखबार है। इसका खर्च पार्टी ने उठाया, तो इसमें गलत क्या है? ना कोई पैसा खाया गया, ना कोई फायदा लिया गया। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये सब राजनीतिक बदले की भावना से किया जा रहा है। सुरजेवाला बोले कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जनता की आवाज उठाते हैं, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस ना डरेगी, ना झुकेगी, सीना ठोक कर लड़ेगी।

नक्सलियों ने सरकार...

इस पर आप की प्रतिक्रिया की हम प्रतीक्षा करेंगे। आज जारी पर्चे में नक्सली प्रवक्ता ने कहा है कि समस्या के परिष्कार के लिए, उसे पूर्णरूप देने के लिए, वार्ता में हमारी तरफ से प्रतिनिधित्व करने वाले एक मध्यवर्ती प्रतिनिधिमंडल और हमारे पार्टी के प्रतिनिधियों को तय करने के लिए हमारी केंद्रीय कमेटी एवं स्पेशल जोनल कमेटी के नेतृत्वकारी कामरेडों से मिलना जरूरी है। उनसे मिलने के लिए मैं और मेरे सहयोगियों को सुरक्षा की गारंटी चाहिए। उसके लिए सरकार से मेरी अपील है कि एक महीने तक शासकीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशनों पर रोक लगायी जाए। चूंकि मैं ने पहले ही हमारे तमाम कामरेडों से प्रेस बयान और विशेष पत्र के जरिए अपील की है कि इस वार्ता के दौर में सरकारी सशस्त्र बलों पर बंदूक नहीं चलाएं, इसलिए आप मेरी बात पर सहमत हों। नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी रूपेश ने कहा है कि यदि हमारे साथ वार्ता करने के लिए तैयार हैं, तो छत्तीसगढ़ में तैनात तमाम केंद्र-राज्य सरकारी बलों को एक महीने तक युद्ध विराम करने पर आदेश जारी करें। बस्तर में हिंसा पर फौरन रोक लगाएं, यह सरकार से मेरा अनुरोध है। सुरक्षा बलों पर हमला न करने संबंधी मेरा पत्र (पार्टी कैडर के लिए) जारी होने के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार आक्रामक अभियान चलाया गया। नक्सली प्रवक्ता का आरोप है कि 12 अप्रैल को बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक अंतर्गत इंद्रावती नदी के किनारे अनिल पूनेम सहित तीन लोगों की पकड़ कर हत्या की गई। 16 अप्रैल को कोंडागांव जिले के किल्लेम के पास डीवीसी मेंबर होलदेर सहित दो लोगों की हत्या की गई। इसे कैसे समझेंगे? हत्याकांड ऐसा ही जारी रहने से शांति वार्ता के लिए किए जा रहे प्रयास के कोई मतलब नहीं रहेंगे। इसलिए मैं सरकार से और गृहमंत्री विजय शर्मा से फिर एक बार अनुरोध कर रहा हूं कि शांति वार्ता आगे बढ़ने व स्थायी समाधान के लिए यह सब बंद होना चाहिए।

युवाओं को शाखा ...

दृष्टि से सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले भी विभिन्न जिलों में प्रवास कर रहे हैं। कानपुर के बाद अब ब्रज प्रांत में सरसंघचालक भागवत का प्रवास इस दृष्टि से देखा जा रहा है। होसबाले लखनऊ में प्रवास करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत संगठन की दृष्टि से अलीगढ़ के प्रवास पर हैं। वह गुरुवार को अलीगढ़ के संघ कार्यालय केशव सेवा धाम पहुंचे। सरसंघचालक यहां पर 21 अप्रैल तक रहेंगे और संघ पदाधिकारियों के साथ अलग—अलग श्रेणी सह बैठकें करेंगे। बैठक में युवाओं के बीच कार्यविस्तार को लेकर चर्चा होगी। सरसंघचालक डॉ. भागवत 19 अप्रैल को नगर की दो शाखाओं पर जाएंगे। ब्रज प्रांत के प्रचार विभाग ने इसकी पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार सरसंघचालक हीरालाल इण्टर कालेज में लगने वाली सनातन शाखा और पंचनगरी में लगनी वाली आजाद शाखा के विद्यार्थी स्वयंसेवकों के साथ चर्चा वार्ता करेंगे।

मुर्शिदाबाद में सामान्य ...

है, लेकिन फिर भी अराजकता फैलने का डर बना हुआ है। हिंसा वाले दिन भीड़ ने यहां पुलिस थाने का घेराव किया। दो-तीन लोगों की हत्या कर दी गई। स्थिति बेकाबू हो गई। कई लोग अपने घर छोडकर चले गए। उन्होंने कहा कि मैं पहले की तरह शांति चाहता हूं। अब कोई झड़प नहीं होनी चाहिए। मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों में वक्फ कानून के विरोध में बीती 11-12 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी। ये हिंसा सुती, धुलियान और जंगीपुर इलाकों में हुई। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके में कथित तौर पर कई महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। हिंसा के चलते मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ। पुलिस ने हिंसा और दो लोगों की हत्या के आरोप में एक और आरोपी पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी इंजामुल हक पर सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करने और नष्ट करने का आरोप है।

भारत की बांग्लादेश को सलाह

दिखावा करने की बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा करने पर दे ध्यान

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को कपटपूर्ण हरकतों से बाज आने की सलाह दी है। कहा है कि हम पर टिप्पणी करने की बजाय उसे अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में उनके देश का हाथ होने से इनकार करते हुए भारत सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार से मुसलमानों की सुरक्षा सुरक्षित करने को कहा था।

वक्फ संशोधन कानून पर असम भाजपा की कार्यशाला, विरोधियों पर भ्रम फैलाने का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश की वशिष्ठ स्थित प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को वक्फ संशोधन कानून 2025 को लेकर जनजागरूकता अभियान की राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में वक्फ कानून की विभिन्न सकारात्मक पहलुओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल इस कानून को लेकर आम लोगों और मुस्लिम समुदाय में झूठा प्रचार कर भ्रम का माहौल बना रहे हैं और राज्य को अस्थिर करने की साजिश कर

रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हैं कि वे सजग रहें और इस कानून के सकारात्मक पक्षों को जनता तक पहुंचाएं। इस कार्यक्रम में असम सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल के एंटनी, संगठनात्मक महासचिव आर रवींद्र राजू, नगांव के विधायक रूपक शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मुक्तार हुसैन खान, मीडिया पैनलिस्ट जफरीन महजबीन सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लखीपुर के दो जिला परिषद क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की निर्विरोध जीत

कछार (हिंस)। कछार जिले के लखीपुर विधानसभा क्षेत्र के दो जिला परिषद क्षेत्रों और 19 क्षेत्रीय पंचायत सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत हुई है। क्षेत्र में कुल चार जिला परिषद सीटों में से दो पर भाजपा प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। विशेष रूप से, बरथल-हरिनगर सीट से बिजेयता महतो विजयी घोषित किए गए हैं, वहीं लखीपुर-दिलखुश सीट से सीमा देब निर्विरोध जीत गई हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र के अंतर्गत कुल 31 पंचायत सीटों में से 19 पर भाजपा के उम्मीदवार बिना किसी मुकाबले के विजयी घोषित किए जा चुके हैं। यह प्रदर्शन पंचायत चुनाव में भाजपा की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

डिफू में प्रथम कार्बी राजा-रानी की प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

100 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन

डिफू (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कार्बी आंग्लांग के दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास की एक नई इबारत लिखी। उन्होंने कार्बी क्षेत्र के विकास की दिशा में 100 करोड़ रुपए की लागत वाली एक महत्त्वपूर्ण सड़क एवं संपर्क परियोजना का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, पहली बार कार्बी राजा-रानी की प्रतिमा का अनावरण कर क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस दौरान भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कार्बी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद भी किया। पूरा दिन क्षेत्र के लोगों के स्नेह और उत्साह से भरपूर रहा। कार्यक्रम के दौरान *नियूत मईना* योजना की एक लाभार्थी छात्रा नयना ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस योजना ने केवल छात्राओं को उच्च शिक्षा में सहारा नहीं दिया, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों को भी पूरा करने में मदद की है। मुख्यमंत्री ने कार्बी भाषा में लोगों का अभिवादन करते हुए कहा कि *डिफू हल तोमार नाम, हउक मंगल* तोमार यानी *डिफू तुम्हारा नाम है, तुम्हारा मंगल हो।*

सारा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन का आम सभा संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। सारा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन कोकराझाड़ जिला समिति का आज फकीराग्राम एनएसबीएस क्लब में एक साधारण सभा का आयोजन कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष परेश सरकार के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस सभा में बीटीआर जोनल समिति के साधारण सचिव इंद्रजीत देबनाथ, राज्य समिति के उपाध्यक्ष गोपाल घोष और जिला समिति के साधारण सचिव समर सरकार उपस्थित थे। इसके अलावा इस कार्यक्रम में संगठन के कई कार्यक्रम मौजूद थे। इस सभा में सांगठनक बिषय पर चर्चा किया गया। इस सभा में प्रस्ताव लिया गया कि आगामी 3 महीने के अंदर डालाबाड़ी में कोकराझाड़ जिला समिति का एक कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा।

मणिपुर में दो केवाईकेएल विद्रोही गिरफ्तार, हथियार बरामद

थौबल/चुराचांदपुर (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के वांगजिंग खबाखोंग, हाईवे- 102 से केवाईकेएल (कांगली यावल कनना लुप) के दो विद्रोहियों मुतुम रंजन मेइती उर्फ लमजिंगबा (21) और नगसेपम बार्लिन सिंह उर्फ कांगलेई (23) को गिरफ्तार किया। इनके पास से एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड, एक चाइनीज हैंड ग्रेनेड, दो मोबाइल फोन, दो कीपैड मोबाइल, एक नीले रंग की पर्स, एक स्लिंग बैग, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया। एक अन्य ऑपरेशन में मणिपुर पुलिस ने वायरल वीडियो मामले में दो व्यक्तियों चिनसोनलुन (30) और लैमसुआनलाल टोम्बिंग (29) को गिरफ्तार किया है। वीडियो में अज्ञात उपद्रवी चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के किसी अज्ञात स्थान पर अत्याधुनिक हथियार लहराते नजर आए थे। पुलिस दोनों मामलों में विवेचना कर रही है।

राष्ट्र निर्माण में *सूचना के जरिए सशक्तिकरण* अभियान : रितु शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। एक प्रभावशाली लेखक, विचारक, बदलाव की सूत्रधार, उद्यमी, प्रभावशाली वक्ता, ब्लॉगर, शोधकर्ता, शिक्षाविद, सलाहकार, आहार विशेषज्ञ और कोच, ऐसे अनेकों परिचयों से पहचानी जाती हैं सेना परिवार से ताल्लुक रखने वाली डॉ. रितु शर्मा। पिछले तीन दशकों से अधिक समय से वे सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता से कार्यरत रहते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। 29 वर्षों से सेना जीवन का हिस्सा रही रितु शर्मा ने चुनौतियों और अनुभवों से भरे सफर में खुद को एक निडर और सच्चे व्यक्तित्व के रूप में गढ़ा है। मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास पर आधारित उनके प्रेरणादायक भाषणों ने युवाओं को दिशा दी है। उन्होंने *भारतीय सेना* के प्रति समर्पण और सेवा की भावना के साथ अनेक महिलाओं को सशक्त किया है। कोविड काल के दौरान उनके सामाजिक जागरूकता अभियान को एक नई गति मिली, जिसके बाद उन्होंने 100 से अधिक ऑनलाइन और ऑफलाइन सत्रों का संचालन किया है। हाल ही में, ऊपरी असम के छात्रों के लिए काउंसलिंग सत्र, जोरहाट सहित कई स्थानों पर सैनिकों और उनके परिवारों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। एक *वन वूमेन आर्मी* के रूप में उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों तक जाकर सैनिकों और उनके परिजनों को सेवा के दौरान, सेवानिवृत्ति उपरांत और शहीद होने की स्थिति में मिलने वाले अधिकारों और लाभों की जानकारी दी। सेना परिवारों को वेतन, भत्ते, अवकाश, पेंशन, कैंटीन, ईसीएचएस, हाउसिंग योजनाएं, एडब्ल्यूईएस की योजनाएं और हालिया बदलावों की जानकारी भी देती हैं। *आफ्टर मी फोल्डर* की उपयोगिता पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने सैनिकों को व्यक्तिगत सेवा और वित्तीय दस्तावेजों को व्यवस्थित करने की प्रेरणा दी। उनके सेशन के बाद लंबे प्रश्नोत्तर सत्र इस बात के गवाह हैं कि उनकी जानकारी कितनी उपयोगी और जरूरी रही है। अब तक वे 32 करोड़ रुपए से अधिक के पेंशन, भत्ते और अनुदानों के मामलों में सैकड़ों परिवारों की सहायता कर चुकी हैं। उनके असाधारण योगदान के लिए डॉ. रितु शर्मा को *द ग्रेट इंडियन समिट एंड अवॉर्ड्स* द्वारा *आइकॉनिक मोटिवेशनल स्पीकर ऑफ द ईयर 2025* से सम्मानित किया गया है। गुजरात की *शी स्प्लैश* संस्था ने उन्हें *इंस्पायरिंग वूमन विजनरी एंड एंटरप्रेन्योर* चुना है। इसके साथ ही वे आगामी 8 जून को दिल्ली में आयोजित होने जा रहे *मिस एंड मिसेज उत्तर प्रदेश* सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए रोल मॉडल के रूप में भी नामित की गई हैं। समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनका यह सफर अब भी अनवरत जारी है। न थमा है, न झुका है। बल्कि एक प्रेरक परिवर्तन की भावना के साथ और सशक्त होता जा रहा है।

रंगिया : श्री माना सती दादी का भव्य मंगल पाठ आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया में श्री माना सती दादी के मंगल पाठ का भव्य आयोजन किया गया। रंगिया के प्रतिष्ठित रतन सिकरिया एवं कांता सिकरिया के शादी की पच्चीसवीं वर्षगांठ के मौके पर श्री पंचायती धर्मशाला में शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में दादी भक्तों ने भाग लिया। मंगल पाठ की शुरुआत गणेश वंदना के साथ सुबह 11 की गई। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका मुक्ता कसेरा एवं उनकी टीम द्वारा संगीतमय मंगल पाठ की प्रस्तुति दी गई। वहीं इसके पूर्व मौके पर दादी का आलौकिक श्रृंगार दर्शन, अखंड ज्योत प्रज्ज्वलन एवं पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के दौरान दादी का मेहंदी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव आदि के अलावा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। वहीं मंगल पाठ का समापन दादी की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

एनएफएल असम में यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए संयुक्त उद्यम में 572 करोड़ रुपए में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा

गुवाहाटी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) असम में यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में लगभग 572 करोड़ रुपए में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगी। शुक्रवार को एक विनियामक फाइलिंग में, एनएफएल ने सूचित किया कि उसके बोर्ड ने असम के नामरूप में एक नए अमोनिया-यूरिया कांप्लेक्स नामरूप-4 उर्वरक संयंत्र की स्थापना के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने हेतु अन्य नामित कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम समझौते में प्रवेश करने की सहमति दे दी है। संयुक्त उद्यम में एनएफएल की 18 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जिसे निगमित किया जा रहा है। फाइलिंग में कहा गया है कि 18 प्रतिशत शेयरधारिता के अधिग्रहण की लागत 572.45 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। पिछले महीने, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र घाटी उर्वरक निगम लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर के भीतर 12.7 लाख टन वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता के एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कांप्लेक्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसकी अनुमानित कुल परियोजना लागत 10,601.40 करोड़ रुपए है और ऋण इक्विटी अनुपात 70-30 है। नामरूप-4 परियोजना के चालू होने की संभावित समय-सीमा 48 महीने है। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में असम सरकार की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, बीवीएफसीएल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। 11 प्रतिशत, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) 13 प्रतिशत, एनएफएल 18 प्रतिशत और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) 18 प्रतिशत। बीवीएफसीएल की इक्विटी हिस्सेदारी मूर्त परिसंपत्तियों के बदले में होगी। इस परियोजना से देश में घरेलू यूरिया उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, खासकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में। इससे पूर्वोत्तर, बिहार, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड में यूरिया की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सकेगा।

असम की धरोहरों को जानें समझें और संजोएं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रदेश की समृद्ध विरासत को याद करते हुए लोगों से उसे देखने-समझने और संरक्षित करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की प्राकृतिक और मानव निर्मित धरोहरें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। चाहे चराइदेव मैदाम हो या काजीरंगा नेशनल पार्क, कामाख्या मंदिर हो या बडुवा थान-हर स्थान का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर हम सभी को असम की अमूल्य धरोहरों को जानने और उन्हें सहेजने का संकल्प लेना चाहिए।

गज बांधव ट्रस्ट की स्थापना आयोजित

गुवाहाटी। वन्यजीव प्रजातियों में सबसे बड़े और भव्य हाथियों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से 7 अप्रैल को *गज बांधव* नामक एक हाथी कल्याण ट्रस्ट की स्थापना की गई है। ट्रस्ट मानव और हाथी के बीच संघर्ष को कम करने, जागरूकता पैदा करने और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा। ट्रस्ट का नेतृत्व हाथी प्रेमी और युवा कार्यकर्ता भास्करज्योति दास कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भास्करज्योति दास पिछले एक दशक से अधिक समय से मानव और हाथी के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए समर्पित हैं। उन्होंने वन विभाग के कर्मियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से खुले में घूमने वाले हाथियों को सुरक्षित रूप से वन में वापस भेजने, घायल और बीमार हाथियों को भोजन प्रदान करने और इन भव्य प्राणियों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुवाहाटी के आसपास के हाथी आवासों से प्रेरित ट्रस्ट में श्रीमती रीता हजारिका और पल्लवज्योति तालुकदार भी ट्रस्टी के रूप में शामिल हैं।

रेलवे संसदीय स्थायी समिति ने रेल अवसंरचना और पर्यटन विकास की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे संसदीय स्थायी समिति की एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने आधिकारिक दौरे के तहत दार्जिलिंग का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान समिति ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) और इसके सहयोगी संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र में रेल विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने संबंधी मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत की। इस यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ *पूर्वोत्तर और केंद्र शासित प्रदेशों में रेल नेटवर्क का विस्तार* विषय पर चर्चा की गई, जिसमें सेवक-रंगपो नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष जोर दिया गया। इस महत्वपूर्ण रेल लिंक का उद्देश्य सिक्किम से कनेक्टिविटी बढ़ाना है और इसे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक और रणनीतिक विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलावा, समिति ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक और आईआरसीटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ *रेलवे-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने* विषय पर एक अलग अनौपचारिक बातचीत की। इस चर्चा में अभिनव रेल-आधारित अनुभवों और स्थाई विरासत पर्यटन के माध्यम से इस क्षेत्र की पर्यटन क्षमता का दोहन करने की पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया। यात्रा के दौरान, समिति ने विरासत रेलवे पर्यटन के संरक्षण, आधुनिकीकरण और संवर्धन के लिए चल रहे प्रयासों का आकलन करने के लिए यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) का भी दौरा किया। बैठक के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेशों में रेलवे के बुनियादी ढांचे और पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और समावेशी विकास एवं राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में उनके महत्व को स्वीकार किया।

राज्य में 71 करोड़ रुपए की हेरोइन याबा टैबलेट जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कामरूप जिले में शुक्रवार को एक अभियान के दौरान 71 करोड़ रुपए की हेरोइन और प्रतिबंधित याबा टैबलेट जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, पुलिस ने कहा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अमीनगांव इलाके में अभियान शुरू किया और पड़ोसी राज्य से आ रहे दो वाहनों को रोका। तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने वाहनों से 2,70,000 याबा टैबलेट और 40 साबुन के डिब्बे बरामद किए, जिनमें 520 ग्राम हेरोइन थी। याबा टैबलेट, जिसे *क्रेजी ड्रग* भी कहा जाता है, देश में अवैध है क्योंकि इसमें मेथामफेटामाइन होता है, जो नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची 2 पदार्थ है। पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थों को दो कोरियर द्वारा राज्य के बाहर ले जाया जा रहा था, जिन्हें पकड़ लिया गया।

बिजनी शाखा साहित्य सभा ने प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया

बिजनी। असम साहित्य सभा के आह्वान पर असमिया नववर्ष के पहले दिन बिजनी शाखा साहित्य सभा की ओर से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। 2024 के साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता तथा प्रमुख लेखक और उपन्यासकार अरुण राजा बसुमतारी, एक समय मंच जगत के एक सशक्त अभिनेता, गीतकार, संगीतकार तथा कलाकार हरेन दास, गोवालपारिया लोकगीतों की बेहतरीन गायिका मंजू दास, विशिष्ट लेखक बिराज मोहन राय, वरिष्ठ पत्रकार नृपेन्द्र नारायण देवमिश्रा को *निज दिन* के अवसर पर सम्मानित किया गया। बिजनी शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष रबिंद्र नाथ दास, बर्णाली तालुकदार, लिटन बसाक सहित शाखा साहित्य सभा का एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवासों का दौरा करके सभी को एक एक फूलाम बिहुवान, सम्मान पत्र के द्वारा रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करके सभी का मान बढ़ाया।

संपादकीय

गांधी परिवार पर चार्जशीट

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपित बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है। संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। यदि 25 अप्रैल को विशेष अदालत के न्यायाधीश इस आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हैं, तो उस दिन और ट्रायल के दौरान सोनिया-राहुल गांधी को अदालत में उपस्थित रहना होगा। बहरहाल इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी की 2014 से सरकार है। तब खूब शोर मचाया जाता था कि गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। ईडी ने 15 अप्रैल को उनसे भी 6 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वाड्रा आज भी स्वतंत्र हैं। दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर 'काला सवाल' है। कांग्रेस इसे ही 'प्रतिशोध की राजनीति' करार दे रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी परिवार पर आरोप-पत्र को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की 'बदले की राजनीति' के संदर्भ में देखा है और उसके खिलाफ 'सत्यमेव जयते' का नारा बुलंद किया है। बहरहाल यह मामला राजनीतिक रूप से संवेदनशील साबित हो सकता है।

गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है।

बोध कथा

लक्ष्मण को दिया था अमूल्य ज्ञान

रावण एक महान विद्वान, महाशक्तिशाली योद्धा और शिव भक्त था। हालांकि उसे उसका अहंकार और अधर्म विनाश की ओर ले गया। जब राम ने रावण का वध कर दिया तब वह मृत्युशय्या पर पड़ा था। रावण ने अपने जीवन में भले ही अनेक पाप किए हों, लेकिन मरते समय वह एक शिक्षक की भूमिका में थे। लक्ष्मण जैसे योद्धा ने भी उनसे ज्ञान प्राप्त किया। रावण की अंतिम शिक्षाएं बताती हैं कि सबसे बड़ा ज्ञान वह होता है, जो अनुभवों से मिलता है। अगर हम उसे समझ लें तो अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। उस समय श्रीराम ने लक्ष्मण से कहा कि वह रावण के पास जाकर उनके पैर छुए और उनसे ज्ञान प्राप्त करें। मरते समय एक ज्ञानी व्यक्ति बहुत मूल्यवान शिक्षा दे सकता है। भगवान श्री राम की आज्ञा पाकर लक्ष्मण रावण के पास गए। पहले वे रावण के सिर के पास खड़े हो गए। रावण ने कुछ नहीं कहा। लक्ष्मण वापस राम के पास लौटे और कहा कि रावण कुछ नहीं बोल रहा। तब राम ने उन्हें समझाया कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमेशा विनम्रता आवश्यक है। गुरु या ज्ञानी व्यक्ति के चरणों में बैठकर ही शिक्षा प्राप्त की जाती है। फिर लक्ष्मण वापस गए और इस बार रावण के चरणों के पास बैठ गए। तब रावण ने अपने जीवन के अनुभवों से कुछ महत्वपूर्ण शिक्षाएं दीं। रावण ने कहा कि जब भी कोई अच्छा कार्य करना हो, तो उसे तुरंत कर लेना चाहिए।

अमृत कलश

भक्ति रूप कर्म

जिस प्रकार रेल के इंजन के पीछे डिब्बे जुड़े रहते हैं उसी प्रकार मनुष्य के जन्म के साथ ही अनेक पूर्व संस्कारों के परिपक्व कर्म जुड़े रहते हैं। इस लोक में आते ही मनुष्य जीवन भर कर्म करता है किंतु प्रत्येक व्यक्ति के कर्म करने के उद्देश्य भिन्न होते हैं। मनुष्य कभी स्वार्थ की भावना से प्रेरित होकर कर्म करता है तो कभी परोपकार की भावना से। कोई केवल धन अर्जित करने का प्रयास करता है तो कोई पुण्य के लिए कर्म करता है। प्रायः लोग सम्मान प्रतिष्ठा आर्थिक लाभ या हार–जीत की भावना से विविध कार्य में प्रवृत्त होते हैं। किंतु भगवान श्रीकृष्ण ऐसे कर्मों के परिणाम पर प्रकाश डालते हुए कहते हैं –'हे अर्जुन! जो कर्म भगवान की प्रसन्नता के उद्देश्य से नहीं किए जाते वे मनुष्य को बांधने वाले होते हैं।' भगवान श्रीकृष्ण इस उपदेश के माध्यम से अर्जुन को समझाते हैं कि हर कार्य में भगवान् को केंद्र में रख कर कर्म करना चाहिए। अतः जो भी कार्य प्रभु के प्रति समर्पित होकर किए जाते हैं वे भक्तिमय बन जाते हैं। भगवान श्रीस्वामिनारायण भी अपने वचनामृत ग्रंथ में यही संदेश देते हैं कि 'यदि कोई धर्म अर्थ या काम की इच्छा को त्याग कर केवल भगवान की प्रसन्नता के लिए शुभ कर्म करता है तो उसका वह कार्य भक्तिमय बन जाता है और उसका फल मोक्ष के रूप में प्राप्त होता है।' अतः जो भी कार्य भगवान की प्राप्ति और उनकी प्रसन्नता के लिए किया जाता है वही भक्ति कहलाता है।

2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई जेंडर न्यूट्रल आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं

बदलते मौसम, टूटती औरतें,सूखे खेत, खाली रसोई और थकी औरतें

प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे – विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों – को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई ₹जेंडर न्यूट्रल₹ आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है – कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर एक हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव, और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य सी समस्याएं बनती जा रही हैं – और इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है। भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है – तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज़ का एक

और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच – ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है, या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं – जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है – जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज़्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात 'अम्फान' के दौरान, सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया, और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती, बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है – जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट ज़रूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है, लेकिन ज़रूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए, अत्यावश्यक है – खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों – जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि – को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा। ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं – वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। लेकिन इसके लिए ज़रूरत है कि हम उन्हें केवल 'सहायता की पात्र' न मानें, बल्कि 'साझेदार' के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है – कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है, तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी से अपने बच्चे के लिए पीने का पानी खुरचती है, वह सिर्फ मातृत्व नहीं, बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज – तीनों मिलकर उसकी आवाज़ को गंभीरता से सुनें।

कुछ अलग

पर्यटन की लंबाई

हिमाचल की हर अंगड़ाई से पर्यटन निकलता है, माना तो तुम्हारे नूर से खजाना निकलता है। कुछ यूं कहते और सोचते हैं हिमाचल के मुख्यमंत्री, जब पर्यटन की हर सीढ़ी पर आर्थिक लाभ दिखाई देता है। पर्यटन की लंबाई में एक बार पैमाइश हो जाए, तो जिक्र हिमाचल के हर गांव तक का होगा। योजनाएं बड़ी हैं और इसीलिए कोई मुख्यमंत्री कांगड़ा एयरपोर्ट के विकास को लेकर सदी की सबसे बड़ी संरचना के प्रति अडिग है। वह जब कांगड़ा को टूरिज्म मानचित्र पर राजधानी के रूप में देखता है, तो वनखंडी चिडियाघर और पौंग झील में आर्थिकी का पुनर्वास दिखता है। हमें लगता है हिमाचल का हर हिस्सा और हर घर से पर्यटन निकलता है। ऐसे स्लोगन कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाएंगे, बल्कि पूरे हिमाचल को पर्यटन घर बनाने की इच्छाशक्ति होगी, तो आर्थिकी के मजमून अपने आप मजबूत और सारी अधोसंरचना निखर जाएगी। हिमाचल को देखने या हिमाचल में पर्यटन को देखने का बजट नहीं, वक्त चाहिए। बिलासपुर की परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर्यटन की झील में तैरती योजनाओं का जिक्र करते हैं। वह 25 सौ करोड़ के खाके में दर्ज होती अधोसंरचना का उल्लेख करते हुए निवेशक का स्वागत कर रहे हैं। दो सौ नए होटलों की भागीदारी में हिमाचल कल कहां होगा, यह प्रतीक्षा जरूरी है। पर्यटन से होटलों का जुड़ना एक बात है, लेकिन पर्यटन को होटल में ही आबाद नहीं किया जा सकता है। अगर दो सौ नए होटलों में निवेश की राहें खोजनी हैं, तो हिमाचल पर्यटन के सर्किटों में खुद को तलाशना होगा। पर्यटक के व्यवहार में हिमाचल की मंजिलें, अलग-अलग कहानी हैं। आज की तारीख में भी वह अटल टनल को लांघने की इच्छा से बाहर नहीं आ पा रहा है, तो हमें उसका रुख मोडऩा होगा। रोमांच तो मनाली पहुंचने के सफर में कीरतपुर से ही शुरू हो जाता है।

देश दुनीया से

हिंदू धर्मस्थलों में लूट और अव्यवस्था

हमारे पास ऐसा मानने के लिए पर्याप्त प्रमाण हैं कि इस धरा यानी पृथ्वी का निर्माण किसी न किसी दैवीय शक्ति के अधीन हुआ है और इसके साक्षात प्रमाण इस धरती के कण कण में, इस चराचर जगत में प्राणियों में, पशु पक्षियों में, मनुष्यों में और वनस्पतियों में दृष्टिगोचर होते हैं। क्या यह प्रमाण पर्याप्त नहीं है कि इस परिवर्तनशील पृथ्वी पर जन्म-मृत्यु का चक्र और आनुवंशिक गुणों के चलते भूलोक पर जीव जंतुओं, वनस्पतियों एवं मनुष्यों की उपस्थिति करोड़ों वर्षों से यथावत बनी हुई है और आगे भी बनी रहेगी। अगर मनुष्य की उत्पत्ति के शुरुआती कुछ हजार वर्षों को छोड़ दें तो जैसे जैसे मनुष्य की बुद्धि का विकास हुआ और मनुष्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपने अनुभवों का हस्तांतरण करता गया तो वहीं उसे ईश्वरीय उपस्थिति का आभास भी हुआ होगा। लिहाजा उसने अपने तौर तरीकों से प्रत्यक्ष देवताओं की पूजा आराधना शुरू की। हिंदू धर्म की राह पर चलकर ही विश्व में कई प्रकार के धर्म संप्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ और सभी धर्मों का एक ही मकसद रहता आया है और वह है जन्म मरण से मुक्ति और ईश्वर के चरणों में मोक्ष मिले। वर्तमान समय में जैसे-जैसे भारतवर्ष की आबादी बढ़ रही है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो रहा है, सोशल मीडिया और गूगल जैसे सर्च इंजन से नित नवीन जानकारियां लोगों को मिल रही हैं, उससे यह स्वाभाविक ही है कि लोगों की जिज्ञासा में वृद्धि होती है और वह उन स्थलों को जाकर देखना चाहता है जहां कभी पहुंचना असंभव माना जाता था। आज संचार और यातायात के बेहतरीन साधन उपलब्ध हैं, लिहाजा लोगों की भीड़ भी इन धार्मिक तीर्थस्थलों पर बढ़ती जा रही है। बचपन से मिले पारिवारिक संस्कारों के चलते प्रत्येक हिंदू अपने आराध्य भगवान की पूजा अर्चना के अलावा भारतवर्ष के अनेक प्रसिद्ध मंदिरों/देवस्थानों में जाकर माथा टेकना चाहता है। प्रत्येक भारतीय धर्म, कर्म और ईश्वरीय विधान में आस्था रखता है ताकि उसे आध्यात्मिक शांति मिले और सद्गति प्राप्त हो, लेकिन श्रद्धालु और यात्रीगण जब किसी तीर्थस्थल अथवा किसी बड़े देवालयों में पहुंचते हैं तो उन्हें वहां सुविधाओं का अकाल, अव्यवस्थाओं और पंडे पुजारियों की लूट से दो चार होना पड़ता है। अगर मैं अपनी यात्राओं अथवा अपने मित्रों/रिश्तेदारों के अनुभव से कहूं तो हमें बड़े हिंदू तीर्थस्थलों में फैली अव्यवस्थाओं और लम्बी लम्बी लाइनों का सामना करना पड़ता है। भारतवर्ष की पुण्य धरा में विराजमान ईश्वरीय शक्तियां जिन्हें हम विविध नामों से जानते हैं, का पूजन न केवल घरों में होता है अपितु मंदिरों एवं देवालयों में वर्ष पर्यंत भक्तजन और श्रद्धालु नतमस्तक होने जाते हैं। हिंदू मंदिरों में फैली अराजकता और अव्यवस्था के कई कारण हैं, जिनमें मंदिरों का सरकारी नियंत्रण होना, सीसीटीवी कैमरों के बावजूद भ्रष्टाचार और मंदिरों के प्रबंधन में अनियमितता इत्यादि शामिल हैं। सरकारी नियंत्रण के कारण, मंदिरों की आय और संपत्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है, जिससे भक्तों के मन में मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी का एहसास होता है। भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है जिसके कारण मंदिरों की आय का दुरुपयोग होता है और मंदिर की संपत्ति का नुकसान होता है। भौतिकतावाद की इस अंधी दौड़ में ईश्वरीय सेवा में संलग्न तथाकथित पुजारी लोग ही जब जनता को लूटने में लगे हुए हों और जिन्होंने भगवान के दरबार में रहकर भी रुपया कमाने को ही अपना मूल मंत्र अथवा साध्य बना रखा हो, जहां वीवीआईपी दर्शनों के नाम पर धन संपन्न/शक्ति संपन्न और राजनीतिक तौर पर प्रभावशाली लोग हजारों की भीड़ को दरकिनार करते हुए वीवीआईपी रास्तों से जब ईश्वर की कृपा पाने के लिए बगल से गुजरते हों और वहां एक साधारण गरीब आम इनसान श्रद्धालु कातर दृष्टि से उनको गुजरते देखकर कुंठा, निराशा, हताशा और तकलीफ से डूबता उतरता तो होगा ही। आज की तारीख में चंद स्वार्थी, लालची प्रवृत्ति के लोग धर्मस्थलों में आने वाले भक्तजनों को लूटने से बाज नहीं आते हैं तो वहीं भिखारियों की फौज 2-2 सौ मीटर तक पीछा करके तंग करती है, जिससे आम आदमी एवं पढ़े लिखे लोगों का मन वितृष्णा से भर जाता है। लेकिन यह भी सत्य है कि हाल ही में संपन्न प्रयागराज के महाकुंभ में अतिउत्तम व्यवस्थाओं के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के बीच अपनी एक अलग छवि बनाई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को चाहिए कि मंदिरों के लिए नीतियां बनाएं और नियम निर्धारित करें। स्वच्छता एवं शौचालयों की सुंदर व्यवस्था हो। मंदिरों की आय के कुछ फीसदी भाग से मंदिर क्षेत्र का विकास करवाया जाना चाहिए। उस क्षेत्र की गलियां, सडक़ें चौड़ी करवाई जानी चाहिए। वीवीआईपी एवं धनवान लोगों और सामान्य जनता के बीच का अंतर समाप्त होना चाहिए।

भारत की विरासत

कर्नाटक

विरुपाक्ष मंदिर

हिंदू मंदिर स्थित हैहम्पी, दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य का एक प्राचीन गाँव है। मंदिर का निर्माण 7वीं शताब्दी ई. में हुआ था और यह पूजा स्थल के रूप में उपयोग में है। भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण की ओर, तुंगभद्रा नदी की जलधारा से घिरे चट्टानी ग्रेनाइट क्षेत्र में हम्पी के शानदार खंडहर हैं। 14वीं शताब्दी का यह शहर महान विजयनगर साम्राज्य की राजधानी था और शासक कृष्णदेवराय (शासनकाल 1509-29) के अधीन अपने चरम पर पहुंच गया था। शहर लगभग 16 वर्ग मील (41 वर्ग किमी) के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके केंद्र में विरुपाक्ष या पंपापति मंदिर है, जो विजयनगर साम्राज्य से पहले का है। मंदिर का विस्तार 13वीं और 16वीं शताब्दी के बीच किया गया जबकि हम्पी का निर्माण इसके चारों ओर किया गया। मंदिर के पत्थरों पर चिनाई के निशान हैं जो अभिविन्यास और स्थान का उल्लेख करते हैं, जो यह सुझाव देते हैं कि वर्तमान स्थान पर लाए जाने से पहले उन्हें उनके स्रोत पर तैयार किया गया था और आकार दिया गया था।

दृष्टि कोण

टैरिफ के मुकाबले को चीनी आर्थिक दीवार

शी ने आखिर किन वजहों से तीन देशों में जाना तय किया? दरअसल, 9 अप्रैल को रोक लगाने से पहले, ट्रम्प ने कई निर्यात-उन्मुख दक्षिण-पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे अधिक 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए। उन्होंने कंबोडिया पर 49 प्रतिशत के टैरिफ लगाए, जबकि वियतनाम और मलेशिया पर क्रमशः 46 प्रतिशत और 24 प्रतिशत शुल्क लगाया गया। व्यापार युद्ध और तेज़ हो गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। वियतनाम अमेरिका द्वारा अधिकतम 46 प्रतिशत टैरिफ को लेकर ग़ुस्से में है। सोमवार को वियतनामी अख़बार 'नहान डैन' में प्रकाशित एक लेख में, शी ने संरक्षणवाद की अपनी आलोचना दोहराते हुए कहा कि चीन और वियतनाम को मिलकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और स्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं की रक्षा करनी चाहिए। यात्रा से पहले, शी ने तीन मलेशियाई समाचार आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक लेख में चीन और मलेशिया के बीच 'बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग की गति को बढ़ाने' का संकल्प लिया। टोरंटो विश्वविद्यालय में चीनी राजनीति की प्रोफेसर लिनेट ओंग ने कहा, 'मैं इसे व्यापार युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के शी के प्रयास के रूप में देखती हूं।' 10-सदस्यीय 'आसियान' के कई देश अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने से नाखुश हैं। वाशिंगटन ने मलेशिया पर 24 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाया, जिसे मलेशियाई अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया। मलेशिया, जो अपनी गुटनिरपेक्ष स्थिति का दावा करता है, सौदे पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई सरकारें अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखने के लिए ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत करने की उम्मीद करती हैं। वियतनाम ने भी अधिक अमेरिकी सामान खरीदने, और अमेरिकी आयातों पर शुल्क में कटौती करने की पेशकश की है। कंबोडिया ने भी यू.एस. आयात पर टैरिफ को घटाकर पांच प्रतिशत करने की पेशकश की है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचाये रखने का आज 15वां दिन है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को वैश्विक बाजारों में अराजकता फैला दी, जिसे उन्होंने 'मुक्ति दिवस' कहा। एक दिन पहले वो ऐसा करते, तो बिना कहे लोग मान लेते कि ट्रंप, 'मूर्ख दिवस' मना रहे हैं। इस तथाकथित 'मुक्ति दिवस' की अर्थशास्त्रियों ने जमकर आलोचना की थी, और इसे निरर्थक बताया था। आयातित वस्तुओं पर वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया, जबकि कई देशों को उनके साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के आधार पर बहुत अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा। एक ऐसा कदम, जो अवांछित और हाहाकारी है। कुछ ही दिनों में बाजार में उथल-पुथल, खरबों डॉलर की संपत्ति का सफाया और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल देखा गया, ट्रम्प ने बड़े टैरिफ पर 90-दिन की रोक की घोषणा की, लेकिन वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगियों सहित सभी देशों पर 10 प्रतिशत के उपाय को बरकरार रखा। मगर, ट्रम्प ने मैक्सिको और कनाडा को बख्शा नहीं। इन पर लगाए गए 25 फीसद टैरिफ को बरकरार रखा। फिर उन्होंने चीन को निशाने पर लिया। जिससे बाज़ार में अराजकता फैल गई। क्या इसे 'टैरिफ वॉर' कहें, या कि 'टैरिफ टेररिज़म'? ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। कई निवेशक और बाजार पर्यवेक्षक वैश्विक आर्थिक मंदी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। 16 अप्रैल को, प्रेसिडेंट शी इस्ताना नेगरा में मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर से मिले। इसके बाद प्रधानमंत्री अनवर के साथ दोपहर में पुत्रजया में सेरी परदाना कॉम्प्लेक्स (प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) में बैठक हुई, जहां दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई सहमति ज्ञापनों और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए।

अमेरिका में गिरफ्तार हैप्पी पासिया को भारत लाने की कार्रवाई शुरू

पंजाब में ग्रेनेड हमलों समेत कई घटनाओं की गुत्थी सुलझने की उम्मीद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मोस्टवांटेड आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को भारत लाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। बहुत जल्द ही हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियां को भारत लाया जाएगा। पासिया को अमेरिका में जांच एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। पासिया के आने के बाद पंजाब में कई ग्रेनेड हमलों की गुत्थी सुलझ सकती है। एफबीआई की ओर से हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी का अधिकारिक ऐलान किए जाने के बाद शुक्रवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से वार्ता की। डीजीवी यादव ने कहा कि हैप्पी पासियां के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पर आधारित पूरा डोजियर पंजाब

पुलिस ने ही एनआईए तथा अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपा था। सूचना के आधार पर इसे यूएस की एजेंसियों को दिया था। उसके बाद हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी हो सकी थी। डीजीपी ने बताया कि पासिया की गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों से बात की है और आरोपी पासिया को जल्द से जल्द डिपोर्ट करवाकर भारत लाने के लिए विमर्श किया। पंजाब पुलिस को कई केसों में आरोपी पासिया से पूछताछ करेगी। डीजीपी ने बताया कि हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है और उसने अपराध की दुनिया में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के साथ मिलकर कदम रखा था। इसके बाद वह यूएस आधारित डर्मल काहलों तथा अमृत बल के साथ मिलकर काम करने लगा। हैप्पी पासिया पाकिस्तान में बैठे हरविंद्र रिंदा के संपर्क में आया और आईएसएसआई के इशारे पर पंजाब में ग्रेनेड हमले करने शुरू कर दिए। पंजाब पुलिस कई माह से हैप्पी पासिया को ट्रैक कर रही थी। उसके कई मोड्यूल तोड़े गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जनवरी 2025 में हैप्पी पासिया पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। उसे चंडीगढ़ ग्रेनेड अटैक केस में वांटेड घोषित किया गया था। हैप्पी पासिया पंजाब में हुए ग्रेनेड हमलों की जिम्मेदारी लेता रहा है। शुक्रवार को भी अजनाला में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी पासिया गुट की तरफ से ली गई है। हैप्पी पासिया पंजाब, चंडीगढ़ व अन्य स्थानों पर हुए ग्रेनेड हमलों समेत कुल 17 बड़े केसों में वांछित है।

शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक : देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक है। विद्यास्थली विद्यालय की तरह अन्य विद्यालयों को भी सनातन संस्कृति का पोषक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामायण हमारी जीवन शैली और गीता जीवन-यापन का तरीका बताते है। इन दोनों ग्रंथों के अध्ययन से हम हमारी पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं का निदान कर सकते है। देवनानी गुरुवार को यहां बिड़ला सभागार में विद्यास्थली पब्लिक स्कूल के वार्षिक उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर व मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। देवनानी ने नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। देवनानी ने कहा कि बच्चों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को अपना जीवन स्वयं बनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए विद्यालयों और घरों में सकारात्मक वातावरण बनाने की आवश्यकता है।

श्रीमद भगवद गीता और भरत मुनि का नाट्यशास्त्र यूनेस्को की स्मृति विश्व रजिस्टर में

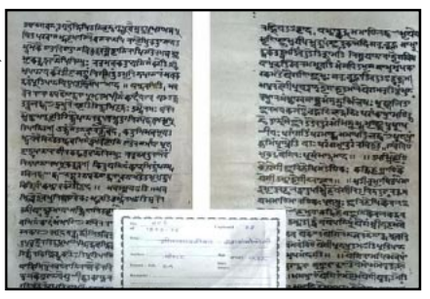

नई दिल्ली/जयपुर (हिंस)। श्रीमद् भगवद गीता और भरत मुनि का नाट्यशास्त्र अब यूनेस्को की स्मृति विश्व रजिस्टर में लिखा गया है। सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की सभ्यता की विरासत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। शेखावत ने कहा कि यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है। ये कालातीत कृतियां साहित्यिक खजाने से अधिक हैं। वे दार्शनिक और सौंदर्य नींव हैं, जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण को आकार दिया है और जिस तरह से हम सोचते हैं, महसूस करते हैं, रहते हैं और व्यक्त करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके साथ अब हम इस अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर पर हमारे देश के 14 शिलालेख हैं। शेखावत के ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है।

पंजाब के होशियारपुर में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के होशियारपुर जिले के गांव नूरपुर जट्टां में गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी का मामला सामने आया है। घटना के बारे में शुक्रवार को सुबह तब पता चला जब गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथी सामान्य की भांति पाठ करने के लिए पहुंचे। गुरु ग्रंथ साहिब जी के 15 पन्ने सरूप से अलग पाए गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे गांव को घेर लिया। पुलिस ने गुरुद्वारा कमेटी के साथ बैठक भी की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यहां पिछले 2 दिनों से सीसीटीवी कैमरे बंद थे। पुलिस अब सीसीटीवी बंद होने से पहले और उसके बाद के कुछ बाहर के सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि पता चल सके कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आसपास आखिरी बार किसे देखा गया था। फिलहाल मामले में गढ़शंकर पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एफआईआर दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सरकार खेल को केवल करियर नहीं, जीवन शैली बनाने की दिशा में कर रही है कार्य : नायब सिंह सैनी

रोहतक (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार खेल को केवल एक करियर ही नहीं, बल्कि जीवन शैली बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में स्कूल स्तर से ही खेलों को अनिवार्य किया जा रहा है, ताकि बचपन से ही शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर खिलाड़ी को 20 लाख रुपए का मेडिकल बीमा कवर देने का संकल्प लिया गया है। शुक्रवार को नायब सिंह सैनी गांव किलोई स्थित श्री शिव कुमार मेमोरियल स्टेडियम परिसर में तीसरी अखिल भारतीय शिव कुमार स्मृति बास्केटबॉल प्रतियोगिता का बतौर मुख्यातिथि विधिवत शुभारंभ करने उपरांत उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिव कुमार स्मृति स्टेडियम के कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की धनराशि, गांव में शीघ्र महिला चौपाल का निर्माण तथा गांव की विभिन्न मांगों को शीघ्र पूर्ण करवाने की भी घोषणा की। उन्होंने स्वर्गीय शिव कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृति हमें देश के लिए बेहतर करने की प्रेरणा देती रहेगी। यह उनकी सोच का प्रतीक है, जो खेल के माध्यम से समाज को एकजुट और सशक्त बनाना चाहती थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने व खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए *हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021* बनाए गए हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाए गये। इसके अलावा, 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिए क्लास-वन से क्लास-श्री तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जो पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देता है। प्रदेश में अब तक खिलाड़ियों को 593 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार दिए हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तथा पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ 45 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। कार्यक्रम में पहुंचने पर गांव की मातृशक्ति ने मुख्यमंत्री को दूध से भरी बाल्टी प्रदान की, जिस पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेरी माताओं ने दूध से स्वागत कर मुझे ताकत देने का काम किया है।

खाटू श्यामजी के निकट बनेगा भगवान जगन्नाथ का भव्य मंदिर, भूमि पूजन वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न

जयपुर/सीकर (हिंस)। सीकर जिले के पावन तीर्थस्थल खाटू श्यामजी के समीप जलुंद मगनपुरा क्षेत्र स्थित श्री श्याम टाउनशिप में भगवान श्री जगन्नाथ के भव्य मंदिर निर्माण की विधिवत शुरुआत हो चुकी है। ओडिशा के ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ पुरी मंदिर के मुख्य पुजारी भवानी प्रसाद दास महापात्र द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधिविधान से भूमि पूजन संपन्न कराया गया। यह मंदिर ओमश्री रियल टेक ग्रुप द्वारा विकसित की जा रही श्री श्याम टाउनशिप के मुख्य स्थल पर निर्मित किया जाएगा। यह टाउनशिप एक आधुनिक आध्यात्मिक और आवासीय केंद्र के रूप में तैयार की जा रही है, जो खाटू श्यामजी जैसे उत्तर भारत के प्रसिद्ध तीर्थस्थल के निकट स्थित है। परियोजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं, संतों, साधकों और परिवारों के लिए ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहाँ आस्था, शांति और संस्कृति का सामंजस्य हो। भूमिपूजन समारोह में मुख्य पुजारी भवानी प्रसाद दास महापात्र ने कहा कि पुरी और खाटू दो महान तीर्थस्थल हैं। यह मंदिर उन दोनों के बीच भक्ति का एक दिव्य सेतु बनेगा। यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि श्रद्धा, अनुशासन और ईश्वर से जुड़ाव की एक पवित्र यात्रा है। मंदिर निर्माण के लिए भूमि का उदार दान ओमश्री रियल टेक ग्रुप के संस्थापक प्रवीण कुमार भाटी

द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल एक भवन का निर्माण नहीं है, बल्कि एक ऐसी आध्यात्मिक धरोहर की रचना करना है, जो आने वाली फीढ़ियों को सेवा, भक्ति और एकता के मार्ग पर प्रेरित करे। यह मंदिर क्षेत्र में सांस्कृतिक जागरूकता और आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

सिख समाज ने प्रकाश गुरुपर्व मनाया, कीर्तन किया

जोधपुर (हिंस)। सिख समाज के नौवें गुरु तेग बहादुर का प्रकाश पर्व सिख समाज की ओर से शुक्रवार को मनाया गया। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित हुए। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के को-ऑर्डिनेटर एवं गुरुद्वारा सिंह सभा प्रधान सरदार दर्शन सिंह लोटे व सचिव सरदार कुलदीप सिंह सलूजा ने बताया कि प्रकाश गुरुपर्व पर गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादर साहिब के तत्वावधान में दो दिवसीय समागम का दूसरे अमृतवेला दीवान का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमे सिमरन उपरांत कीर्तन किया। साथ ही शाम को समागम के मुख्य दीवान का आरभ सुखमनी साहिब के पाठ से होगा व लंगर प्रसाद होगा। सेवादार सरदार जितेंद्र सिंह बत्रा ने बताया कि मुख्य दीवान के साथ शाम 7 से 10 तक मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें शहर के डॉक्टर सेवाएं देंगे।

इस साल दिवाली तक जोधपुरवासियों को नए एयरपोर्ट का तोहफा मिलेगा : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर में एयरपोर्ट विस्तार का सपना पूरा होने के साथ लगभग 480 करोड़ रुपए की लागत से 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है और दीपावली के अवसर पर तोहफे के रूप में जोधपुर वासियों को नया एयरपोर्ट मिल जाएगा। जोधपुर के सांसद और केंद्रीय पर्यटन संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बाकायदा इसका अवलोकन करने के साथ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर परिकर का आभार जताया और विश्वास व्यक्त किया कि इस सुविधा के बाद आर्थिक रूप से जोधपुर और अधिक विकास की ओर आगे बढ़ सकेगा। जोधपुर एयरपोर्ट पर एक नई टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। यह नया टर्मिनल 24, 000 वर्ग मीटर में फैला होगा और व्यस्त समय में 2, 500 यात्रियों और प्रति वर्ष 3.5 मिलियन यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। 480 करोड़ रुपए की लागत वाले इस नए टर्मिनल का क्षेत्रफल 24, 000 वर्ग मीटर है जबकि व्यस्त समय में 2, 500 यात्रियों और प्रति वर्ष 3.5 मिलियन यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। यह नया टर्मिनल हैरिटेज लुक में बनाया गया है और इसमें जोधपुर पत्थर का उपयोग किया गया है। वर्तमान में जोधपुर हवाई अड्डे में 5690 वर्ग मीटर में फैला एक टर्मिनल भवन है जो प्रति घंटे 430 यात्रियों को संभाल सकता है। नया टर्मिनल भवन 37 एकड़ में फैला होगा और इसमें 6 एरो ब्रिज, 40 चेक-इन काउंटर, 16 सेल्फ चेक-इन मशीनें और 3 कन्वेयर बेल्ट होंगे। यह टर्मिनल भवन दीपावली तक बनकर तैयार हो जाएगा। नए टर्मिनल भवन के निर्माण के बाद जोधपुर एयरपोर्ट पर बोइंग और एयरबस जैसे बड़े यात्री विमान भी उतर सकेंगे। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने अवलोकन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व रक्षामंत्री मनोहर पारिकर को धन्यवाद दिया। उन्होने कहा कि नए एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के प्रति पीएम नरेंद्र मोदी की पूरी गंभीरता रही है। पूर्व रक्षामंत्री मनोहर पारिकर के प्रयासों से जमीन संबंधी समस्या का समाधान हुआ। इस साल दिवाली तक जोधपुर वासियों को नए एयरपोर्ट का तोहफा मिलेगा। जोधपुर की स्थपत्य कला के अलावा पार्किंग मामले का पूरा पूरा ध्यान रखा गया है। हर पहलू को ध्यान में रखकर नए एयरपोर्ट का निर्माण हुआ है। अब 12 एयरक्राफ्ट पार्क हो सकेंगे। 300 से अधिक कारे भी पार्क हो सकेंगी। एविएशन क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात हुआ है। गजेन्द्रसिंह सिंह शेखावत ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से लेकर जोधपुर नगर निगम और जोधपुर विकास प्राधिकरण अन्य एजेंसियों का आभार जताया। समय-समय पर ध्यान आकर्षण के लिए मीडिया का भी आभार जताया।

हिंदू युवा वाहिनी ने फूंका ममता बनर्जी का पुतला

फिरोजाबाद (हिंस)। हिंदू युवा वाहिनी ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के विरोध में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने ममता सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष रानू भारद्वाज के नेतृत्व में ठारपूठा चौराहे पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए ममता बनर्जी का पुतला आग के हवाले कर दिया। जिलाध्यक्ष रानू भारद्वाज ने कहा कि मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में हुई हिंसा में तीन लोगों की जान चली गई हैं। सैकड़ों हिंदू परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा खतरे में है। हिंदुओं के घरों को जलाया जा रहा है। लेकिन ममता सरकार दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं की गई है। आए दिन मंदिरों पर हमले किए जा रहे हैं, हिंदुओं की हत्याएं हो रही हैं। वहां की सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है। उन्होंने मुर्शिदाबाद के दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। विरोध प्रदर्शन में सुशील जार, राजा भारदाज, विकास चौथी, विक्रम कुशवाह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संकटग्रस्त महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सुरक्षित ठिकाना देगी योगी सरकार

प्रदेश के 10 जिलों में नए आश्रय केंद्र की जल्द होगी शुरुआत

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तीकरण और पुनर्वास को लेकर शक्ति सदन के संचालन की योजना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। *मिशन शक्ति* योजना के अंतर्गत राज्य सरकार 10 जनपदों में *शक्ति सदन* की स्थापना करने जा रही है। जो संकटग्रस्त, घरेलू हिंसा से पीड़ित, आपदा प्रभावित और अन्य असहाय महिलाओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होंगे। इन केंद्रों का राज्य सरकार जल्द शुरुआत करने जा रही है। इसके संचालन की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार ने 127.72 लाख रुपए की धनराशि भी स्वीकृत की जा चुकी है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश अब महिलाओं के लिए न केवल सुरक्षित हो रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की ठोस बुनियाद भी रखी जा रही है। यह योजना केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से 60-40 के अनुपात में चलाई जा रही है। यह योजना भारत सरकार मिशन शक्ति की उप योजना *सामर्थ्य* के तहत संचालित की जाएगी। इसके अंतर्गत अलीगढ़, आजमगढ़, कानपुर नगर, चित्रकूट, झांसी, बस्ती, गोंडा, मिर्जापुर, वाराणसी और सहारनपुर जनपदों में प्रत्येक में 50 महिलाओं की क्षमता वाले एक-एक नवीन शक्ति सदन स्थापित किए जाएंगे। इन शक्ति सदनों का उद्देश्य सिर्फ एक सुरक्षित आश्रय स्थल प्रदान करना नहीं, बल्कि महिलाओं को समुचित संसाधनों और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस मार्गदर्शन देना है। इन सदनों में निवास कर रहीं महिलाओं को निःशुल्क आवासीय सुविधा, पोषणयुक्त भोजन, वस्त्र, बिस्तर और व्यक्तिगत उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना की खास बात यह है कि यहां संवासिनियों को न केवल मानसिक, शारीरिक और कानूनी सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए योग्यता अनुसार व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर प्रशिक्षण, कानूनी सहायता, योग और व्यक्तिगत परामर्श जैसी सेवाएं शामिल हैं, जिससे महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होकर समाज में आत्मसम्मान से जीवन जी सकें। नारी सशक्तीकरण की दिशा में योगी सरकार का यह कदम महत्वपूर्ण है। विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाएं, जो अक्सर घरेलू हिंसा या पारिवारिक उपेक्षा का शिकार होती हैं, उनके लिए यह शक्ति सदन एक संबल और आत्मविश्वास का स्रोत बनेंगे। सरकार की चलाई जा रही यह योजना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और सुरक्षित समाज की दिशा में एक प्रभावशाली पहल है।

भारतमाला हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन ने रौंदा ऊंटों का काफिला, नौ की मौत

जोधपुर (हिंस)। फलोदी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 9 ऊंटों की मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा भारतमाला हाईवे (गुजरात-पंजाब मार्ग) पर भोजासर क्षेत्र के लक्ष्मण नगर स्थित टोल प्लाजा के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ऊंटों के काफिले को रौंदता हुआ निकल गया। भोजासर थानाधिकारी अशोक कुमार विश्नोई ने बताया कि देर रात सड़क पार कर रहे ऊंटों के झुंड को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क पर बिखरे ऊंटों के शव देखे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया और प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से सुरक्षा उपायों की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भारतमाला परियोजना के शुरू होने के बाद इस मार्ग पर वाहनों की गति बेकाबू हो गई है। उन्होंने मार्ग पर पशु चेतावनी संकेतक लगाने और रात के समय गश्त बढ़ाने की मांग की। सूचना पर सुबह 9 बजे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पशु चिकित्सकों की टीम को बुलाकर घायल ऊंटों का उपचार शुरू किया गया। थानाधिकारी अशोक कुमार ने लोगों की समझाइश कर जाम खुलवाया गया। इसके बाद घायल ऊंटों को हाईवे से हटाया गया और यातायात सुचारु किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निर्मल साह के हत्यारों का अबतक पता नहीं लगा पाना प्रशासन की घोर लापरवाही : नरेश साव

सहरसा (हिंस)। जिले के पतरघट थाना क्षेत्र के गोलमा पश्चिमी निवासी निर्मल साह की विगत दिनों अपराधियों द्वारा गला काट कर हत्या कर दी गई थी। पटना से शुक्रवार को चलकर आए भामाशाह विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष सह भाजपा के प्रदेश नेता नरेश साव ने कहा कि सात दिन बाद भी अब तक कटे हुए सिर को प्रशासन बरामद नहीं कर पाया न ही हत्या की घटना में सम्मिलित हथियारों की गिरफ्तारी कर पाई है। प्रशासन की घोर लापरवाही है। यह घटना काफी मर्माहत करने वाली है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए घटना को विस्तृत जानकारी परिजन से लेकर पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारी से बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त तथा कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की बात कही। मौके पर जदयू के प्रदेश नेत्री महासचिव कंचन गुप्ता ने कहा कि यह एक जघन्य अपराध है। इस तरह की नृशंस हत्या की घटना में

सम्मिलित हत्यारा कोई भी हो पुलिस कार्रवाई से नहीं बच पाएगा। भामाशाह विचार मंच के सहरसा जिला उपाध्यक्ष सुधीर राजहंस, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन, जदयू के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र देव, भामाशाह विचार मंच के जिला अध्यक्ष डॉ. शशांक सुमन विक्की, भाजपा नेता सुरेश गुप्ता, शक्ति गुप्ता, सत्यनारायण साह, दीपक साह, रामविलास साह आदि ने इस तरह की विभित्स घटना पर आक्रोश प्रकट करते हुए कहा कि सुशासन की वर्तमान सरकार जो आम लोगो को न्याय दिलाने के लिए जाना जाता है। लेकिन घटना के सात दिन बीत जाने पर भी अब तक ना ही सिर बरामद हुआ हुआ न ही अपराधियो की पहचान व गिरफ्तारी नहीं होने से विभिन्न सवालो को पैदा कर रहा है। इसका निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर शीघ्र कठोर सजा दिलाने का मांग की है। साथ ही पीड़ित परिजन को 50 लाख नकद एवं सरकारी मुआवजा के साथ परिवार के लोगों की सरकारी नौकरी देने की मांग की। इस घटना के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने एक लाख रुपए पीड़ित परिवार को देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने शहीद वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क का किया निरीक्षण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीद वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क जाकर 23 अप्रैल 2025 को आयोजित होनेवाले वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्क को पूरी तरह मेंटेन रखें ताकि यहां पर आनेवाले लोगों को सहूलियत हो और वे आनंदित महसूस करें। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 23 अप्रैल को शौर्य दिवस पर जेपी गंगा पथ के पास आयोजित होनेवाले एयर शो कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। एयर शो कार्यक्रम को देखने के लिए सभ्यता द्वार के सामने जेपी गंगा पथ पर बैठने की व्यवस्था की जा रही है। यह जगह प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सामने जेपी गंगा पथ अंडरपास से पूरब की तरफ सभ्यता द्वार के नजदीक गंगा नदी के किनारे है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर इंतजाम को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि पटना में पहली बार 23 अप्रैल को शौर्य दिवस पर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम, हॉक-132 जेट विमानों द्वारा आकाश में करतबों का प्रदर्शन करेगी। जेपी गंगा पथ पर लगभग एक घंटा का यह भव्य एयर शो होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

महिंद्रा के दो लेटेस्ट वर्जन लांच होंगे 2026 तक

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी दो सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी थार और एक्सयूवी700 के फेसलिफ्ट वर्जन पर काम कर रही है। कंपनी के यह लेटेस्ट वर्जन 2026 तक लॉन्च किए जाएंगे।

थार को साल 2020 में और एक्सयूवी700 को 2021 में बाजार में उतारा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक थार फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू515 के तहत तैयार की जा रही है, जिसका डिजाइन थार रॉक्स से प्रेरित होगा।

इसमें डबल-स्टैक्ड स्लॉट वाली नई ग्रिल, सी-शेप्ड एलईडी सिग्नेचर हेडलाइट और टेल-लाइट, नया बंपर, बॉडी क्लैडिंग और नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स शामिल होंगे।

इंटीरियर में भी नया स्टीयरिंग व्हील, रीमैप किए गए बटन, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और हार्ड-टॉप वर्जन में सनरूफ जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

इंजन ऑप्शन्स में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कनेक्टेड एलईडीहेडलाइट्स, नया ग्रिल, चौकोर व्हील क्लैडिंग जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इंटीरियर में भी हाई-टेक और प्रीमियम टच देखने को मिलेगा। एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट में भी इंजन विकल्प पहले जैसे ही रहेंगे, जिनमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल (200एचपी) और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल (155-185एचपी) शामिल होंगे।

दोनों एसयूवीएस में तकनीक और डिजाइन के लिहाज से बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।इसमें पहले की तरह 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (152एचपी), 1.5-लीटर डीजल (119एचपी) और 2.2-लीटर डीजल (132एचपी) इंजन के विकल्प मिलेंगे, जो 6-स्पीड मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएंगे।

वहीं, एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट (कोडनेम डब्ल्यू616) को बीई 6 और एक्ईवी 9ई जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवीएस की फ्यूचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज के अनुसार अपडेट किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

इनोवा हाइक्रॉस फिर बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार

नई दिल्ली। टोयोटा ने मार्च 2025 की बिक्री रिपोर्ट जारी की है, जिसमें इनोवा हाइक्रॉस एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। बीते महीने इसकी 9,856 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले पांच महीनों में इसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। वहीं, कंपनी की प्रीमियम और लग्जरी एमपीवी वेलफायर की बिक्री ने सबको चौंका दिया। फरवरी में जहां इसकी सिर्फ 19 यूनिट्स बिकी थीं, वहीं मार्च में यह आंकड़ा 346 यूनिट्स तक पहुंच गया, जिससे इसे 1721 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ मिली। यह डिमांड टोयोटा कैमरी से भी ज्यादा रही, जिसकी बिक्री 203 यूनिट्स रही। लग्जरी फीचर्स से लैस वेलफायर एक स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड एमपीवी है, जिसमें 2.5-लीटर इनलाइन चार-सिलेंडर इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर और हाइब्रिड बैटरी मिलती है। यह इंजन 142 किलोवाट की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी के अनुसार, यह मॉडल 19.28 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देता है और इसका हाइब्रिड सिस्टम 40प्रतिशत दूरी और 60प्रतिशत समय तक जीरो एमिशन मोड पर चलने में सक्षम है। वेलफायर तीन बाहरी रंगों प्लैटिनम पर्ल व्हाइट, जेट ब्लैक और प्रेशियस मेटल में उपलब्ध है, जबकि इंटीरियर में सनसेट ब्राउन, न्यूट्रल बेज और ब्लैक ऑप्शंस दिए गए हैं।

मर्सिडीज़-बेंज़ ने किया 2 लाख पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्शन का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। लग्जरी कारें बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने 2 लाख पैसेंजर व्हीकल्स के लोकल प्रोडक्शन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह सफलता न सिर्फ मर्सिडीज़ की भारत में मजबूत होती पकड़ को दर्शाती है, बल्कि देश में लग्जरी कार मार्केट के विस्तार की भी पुष्टि करती है। यह मील का पत्थर कंपनी की इलेक्ट्रिक फ्लैगशिप ईक्यूएस एसयूवी को पुणे के चाकन प्लांट से रोल आउट करते हुए हासिल हुआ।1995 में भारत में शुरुआत करने के बाद कंपनी को पहली 50,000 यूनिट्स का उत्पादन करने में 19 साल लगे, जबकि अगली 1.5 लाख यूनिट्स सिर्फ 10 वर्षों में ही असेंबल कर ली गईं। यह उत्पादन दर में लगभग 470 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मर्सिडीज़-बेंज़ भारत में इतनी बड़ी संख्या में पैसेंजर कारों का लोकल प्रोडक्शन करने वाला पहला लग्जरी ब्रांड बन गया है। इस अवसर पर मर्सिडीज़-बेंज़ ग्रुप एजी के बोर्ड सदस्य डॉ. जॉर्ग बर्जर ने कहा कि यह उपलब्धि भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की क्षमता का प्रमाण है। वहीं, मर्सिडीज इंडिया के एमडी और सीईओ संतोष अय्यर ने कहा कि कंपनी अपनी उन्नत उत्पादन सुविधाओं में निवेश जारी रखेगी ताकि बढ़ती डिमांड को पूरा किया जा सके। एफवाय 2025 के दौरान मर्सिडीज़-बेंज़ ने भारत में कुल 18,928 कारें बेचीं, जो सालाना 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। कंपनी के अनुसार, यह किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।

यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी: आईएमएफ

वाशिंगटन। आईएमएफ ने जारी किया अपना अनुमान, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा, आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। प्रमुख निदेशक ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि की चेतावनी देते हुए कहा था कि दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ ने व्यापार विकृतियों का भी जिक्र किया और व्यापार बाधाओं को कम करने की अपील की। वे मानते हैं कि अनिश्चितता महंगाई के कारण बन सकती है और इससे व्यापार बाधाएं विकास को तुरंत प्रभावित कर सकती हैं। आईएमएफ के अनुसार वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल देखने की संभावना है जिससे अर्थव्यवस्था पर अवरोध आ सकता है।

ब्रिजस्टोन इंडिया अपनी टायर रेंज का करने जा रही विस्तार

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए ब्रिजस्टोन इंडिया अपनी टायर रेंज का विस्तार करने जा रही है। ब्रिजस्टोन कंपनी अपनी ईवी-रेडी ट्यूरांज़ा 6 आई और ड्यूलर ऑल टेरेन (ए/टी) 002 टायर रेंज को नए साइज में बाजार में पेश करेगी। कंपनी के कार्यकारी निदेशक, राजर्षि मोइत्रा ने बताया कि इस विस्तार का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की गाड़ियों की जरूरतों को पूरा करना है। ट्यूरांज़ा 6 आई टायर एसयूवी, सीयूवी, सेडान और हैचबैक सेगमेंट की गाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह 14 से 20 इंच के आकार में उपलब्ध होगा। वहीं, ड्यूलर ए/टी 002 विशेष रूप से 4गुणा4 गाड़ियों के लिए विकसित किया गया है।

भारत में टायर बाजार हर साल लगभग 4.4 करोड़ यूनिट का है, जिसमें 2 करोड़ यूनिट ओईएम सेगमेंट और 2.4 करोड़ यूनिट आफ्टरमार्केट सेगमेंट में आती हैं। ब्रिजस्टोन इंडिया का दावा है कि आफ्टरमार्केट सेगमेंट में उसकी 20प्रतिशत हिस्सेदारी है, और कंपनी मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, हुंडई, टोयोटा और होंडा जैसी प्रमुख कार निर्माताओं के साथ साझेदारी में काम करती है। मोइत्रा ने कहा कि ट्यूरांज़ा 6 एक ईवी-रेडी टायर है और यह आफ्टरमार्केट में पहले से उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने ओईएम पार्टनर्स के साथ मिलकर ईवी प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही है। ब्रिजस्टोन इंडिया के इंदौर और पुणे में दो उत्पादन प्लांट हैं, जहां कुल मिलाकर रोज़ाना 30,000 टायर बनाए जाते हैं। 2024 में 85 मिलियन डॉलर निवेश की घोषणा के साथ कंपनी पुणे प्लांट की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की योजना बना रही है।मोइत्रा ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में आफ्टरमार्केट सेगमेंट में हर साल 6 से 8 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, और कंपनी का लक्ष्य अपनी हिस्सेदारी को मजबूत करना है। भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 2023 में 95,859 यूनिट से बढ़कर 2024 में 1,13,441 यूनिट हो गई है, जिससे ईवी टायरों की मांग में भी वृद्धि हुई है।

टाटा नेक्सन ईवी को कड़ी टक्कर महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओईवी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओईवी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस इलेक्ट्रिक कार को एक बार फिर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। महिंद्रा की यह इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा नेक्सन ईवी जैसी गाड़ियों को कड़ी टक्कर देने के इरादे से लाई जा रही है। इस गाड़ी का एक्सटीरियर डिज़ाइन काफी हद तक एक्सयूवी 400 की तरह होगा। इसमें आईसीई और ईवी मॉडल्स के बीच कई कॉमन एलिमेंट्स जैसे शीट मेटल पैनल और प्लास्टिक ट्रिम्स शामिल होंगे। चार्जिंग पोर्ट को भी एक्सयूवी 400 की तरह बाएं साइड फ्रंट क्वार्टर पैनल में रखा गया है। केबिन की बात करें तो इसमें कई एडवांस्ड फीचर्स देखने को मिलेंगे, जैसे 10.2-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.2-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट, पैनोरमिक सनरूफ, लेवल-2 अडास तकनीक और 360-डिग्री कैमरा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्सयूवी 3एक्सओईवी ईवी दो बैटरी पैक वेरिएंट्स 34.5 केडब्ल्यूएच और 39.4 केडब्ल्यूएच के साथ आ सकती है। इसकी सिंगल चार्ज पर रेंज 400 किलोमीटर से ज्यादा हो सकती है, जो इसे मार्केट में काफी प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

गूगल को अमेरिकी फेडरल कोर्ट का बड़ा झटका, एंटीट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल को अपनी मनमानी महंगी पड़ी है। अमेरिका में वर्जीनिया की फेडरल कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि गूगल ने अपने वेब विज्ञापन व्यवसाय के साथ अवैध रूप से एकाधिकार शक्ति का इस्तेमाल किया है। अमेरिका में गूगल को एंटीट्रस्ट कानून के उल्लंघन के आरोप में यहां वामिका आ गई है। फेडरल कोर्ट ने गूगल को अपनी वेब विज्ञापन व्यवसाय में एकाधिकार शक्ति का दुरुपयोग करने के आरोप में दोषी ठहराया है।

बिजनेस के खातिर हथिया लिया पूरा बाजार, सही साबित हुए आरोप

इसमें कोर्ट ने एंटीट्रस्ट कानून का उल्लंघन माना है और गूगल के खिलाफ भारी धनराशि की जुर्माना भी लगाई है। यह मामला उस समय सामने आया था जब गूगल ने डिजिटल ऐड टेक्नोलॉजी में अपनी एकाधिकारी नीतियों का इस्तेमाल करके अन्य कंपनियों के साथ कंपिटिशन को दबाने का आरोप लगा था।

कोर्ट ने यह दिलचस्प निर्णय देते हुए कहा कि गूगल ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है और इससे डिजिटल विज्ञापन क्षेत्र में अनुचित भविष्य का संकेत दिया है। इस फैसले के बाद गूगल को अब अपनी विज्ञापन व्यवसाय की नीतियों पर पुनः से सोचने की आवश्यकता है, जिससे वास्तविक कंपिटिशन को बढ़ावा मिल सके और दूसरी कंपनियों को भी बाजार में समान अवसर मिल सके। गूगल की यह झटका से जबकि एक बड़ा आंकड़ा है, वहीं दूसरी डिजिटल कंपनियों के लिए एक संजीवनी भी हो सकती है।

रिस्क लेने वाले निवेशकों के बीच अब भी पसंदीदा विकल्प बने हुए हैं स्मॉलकैप फंड्स

बाजार अस्थिरता के बावजूद हाई रिस्क लेने वाले निवेशकों के बीच स्मॉलकैप फंड्स अब भी पसंदीदा विकल्प बने हुए हैं क्योंकि इनमें भारी रिटर्न की संभावना रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) डेटा के अनुसार बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बावजूद मार्च 2025 में इन फंड्स में 4,092 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया।

आरबीआई ने कहा- बैंक खातों में लेनदेन पर कड़ी निगरानी रखी जाए

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बैंक केंद्रीय बैंक को सूचना दिये बिना अपनी विदेशी शाखाओं या प्रतिनिधियों के नाम पर रुपया खाते (ब्याज रहित) खोल या बंद कर सकते हैं। हालांकि, आरबीआई ने डिपॉजिट और अकाउंट पर जारी मास्टर निर्देश में कहा कि पाकिस्तान के बाहर संचालित पाकिस्तानी बैंकों की शाखाओं के नाम पर रुपया खाते खोलने के लिए रिजर्व बैंक की विशेष मंजूरी की आवश्यकता होगी।

खातों में लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विदेशी बैंक भारतीय रुपये पर सट्टा लगाने वाला नजरिया न अपनाएं. ऐसे किसी भी मामले की सूचना रिजर्व बैंक को दी जानी चाहिए। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकिंग सिस्टम में मजबूती को लेकर अहम बात की थी। आरबीआई ने कहा कि आपात परिस्थितियों और मुश्किलों से निपटने के लिए एक बफर पूंजी यानी सीसीवाईबी बना रखा है। हालांकि, इसका इस्तेमाल परिस्थितियों के हिसाब से किया जाएगा।

क्रॉम्पटन ने मेडा से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

ऊर्जा विकास एजेंसी ने 10.60 करोड़ मूल्य के 433 सौर जल पंपों का ऑर्डर देकर नवीकरणीय ऊर्जा में क्रॉम्पटन की भूमिका को और भी मज़बूती दी

मुम्बई

पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डर मिला है।

इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी` महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम (एसपीडब्ल्यूपीएस) के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जल पंपिंग समाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभ करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा। कंपनी की मज़बूत सेवा नेटवर्क, सक्षम चैनल पार्टनर और प्रदर्शन की विश्वसनीय विरासत इसे इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाती है। क्रॉम्पटन के पंप टिकाऊपन और प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो पांच-चरणीय उत्पाद विकास प्रक्रिया, उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और गहन अनुसंधान एवं

विकास विशेषज्ञता से सुज्जित हैं। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के तहत अधिक से अधिक सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत और अधिक सौर ऊर्जा चालित पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन ऊर्जा दक्षता श्रेणी में प्रभाव डालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से कृषि में सतत प्रगति को बढ़ावा देने की क्रॉम्पटन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी के हिस्से के रूप में यह पहल किसानों को पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित करने में सीधे योगदान देती है — जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभ होते हैं। यह प्रगति ऐसे समय में हुई है जब भारत के सबमर्सिबल वाटर पंप बाजार में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जो कृषि, ग्रामीण जल आपूर्ति, शहरी बुनियादी ढांचे और औद्योगिक उपयोग जैसे क्षेत्रों में बढ़ती मांग से प्रेरित है। कृषि में, गहरे कुओं की सिंचाई के लिए निरंतर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में सबमर्सिबल पंप महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं - खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ वर्षा असमान होती है- नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ता ज़ोर विशेष रूप से ग्रामीण और ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित समाधानों को तेजी से अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। इस अवसर पर रजत चोपड़ा, बिजनेस हेड - होम इलेक्ट्रिकल्स एवं पंप्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने कहा, हम पीएम-कुसुम योजना के तहत महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी के साथ साझेदारी करके गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, जो हमारे उन्नत और टिकाऊ पंपिंग समाधानों को प्रदान करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऑर्डर हमारे सौर ऊर्जा पर आधारित सबमर्सिबल पंपों की गुणवत्ता, टिकाऊपन और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। स्टेनलेस स्टील की जंग-रहित बनावट से बने ये पंप विभिन्न अनुप्रयोगों—जैसे सिंचाई, भूजल निकालनते और दूरदराज़ ग्रामीण क्षेत्रों में लंबी अवधि तक विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स : कोनेरू हम्पी की शानदार जीत, दिव्या देशमुख ने भी की दमदार वापसी

पुणे

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज़ में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुक़ाबला बराबरी पर छूटा।

हम्पी की सटीक रणनीति, पोलिना को किया परास्त – इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू हुए इस मुक़ाबले में हम्पी ने पोलिना के ख़िलाफ़ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना की एक चूक ने हम्पी को बढ़त दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए प्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किश्ती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हम्पी ने बाज़ी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हम्पी ने इसे 'आरामदायक खेल' बताया।

दिव्या देशमुख की 70 चालों तक चली जंग– दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने ज़्यादातर समय बढ़त बनाए रखी और अंत में डबल किश्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मेलिया सलोमे को हराया। इस जीत के साथ दिव्या भी अंक तालिका में शीर्ष की ओर पहुंच गई हैं।

हरिका और वैशाली का मुक़ाबला रोमांचक ड्रॉ– अखिल भारतीय भिड़ंत में द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू आमने-सामने थीं। ग्रुनफेल्ड बचाव से शुरू हुए इस मुक़ाबले में हरिका ने लंबे समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन वैशाली ने धैर्य नहीं खोया। 34वीं चाल के बाद हरिका कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सकीं और खेल बराबरी पर समाप्त हुआ।

अंक तालिका में कड़ी टक्कर– चीन की झू जिनर इस समय 3.5 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे आगे हैं। हम्पी और दिव्या दोनों ही जिनर से केवल आधा अंक पीछे हैं। शुक्रवार को हम्पी और हरिका के बीच एक अहम अखिल भारतीय मुक़ाबला खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने दासुन शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में किया शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के दासुन शनाका को टीम में शामिल किया है। शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में लिया गया है, जो ग्रोइन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और स्वदेश लौट चुके हैं। ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन गुजरात टाइटंस ने 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। हालांकि, उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला और इसी बीच वो ग्रोइन इंजरी का शिकार हो गए। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दासुन शनाका इससे पहले 2023 के सीजन में भी गुजरात टाइटंस की ओर से खेल चुके हैं। उस वक्त उन्हें कुछ ही मुकाबलों में मौका मिला था। अब एक बार फिर फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया है। शनाका को उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया है। दासुन शनाका श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने अब तक 102 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले शनाका, गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर ऑलराउंडर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आईपीएल : हेड सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां हुए मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में सनराइजर्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक नया रिकार्ड बनाया है। हेड ने इस मैच में केवल 29 रन बनाये पर इसके साथ ही हेड आईपीएल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 30 से अधिक के औसत से कुल 1000 रन बनाये हैं। इससे पहले जिन भी खिलाड़ियों ने 1000 रन बनाये हैं उनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। हेड ने आईपीएल में 172 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाए है। हेड ने कुल 32 मैचों में 36.21 के औसत से 1014 रन बनाए हैं। इससे पहले 102 से अधिक खिलाड़ियों ने आईपीएल में 1000 रन बनाये हैं। इसमें वेस्टइंडीज के रसल ने 170 के अधिक के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाये पर उनका औसत भी 27 रहा है। इसके अलावा वेस्टइंडीज के ही निकोलस पूरन और दक्षिण अफ्रीका के हेनिरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ियों ने भी 1000 रन बनाये हैं पर उनका औसत भी हेड से कम ही रहा है हालांकि हेड का फॉर्म इस साल आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैच में अब तक कुल 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 34 के औसल और 168 के स्ट्राइके रेट से रन बनाये हैं।

पंजाब किंग्स में आने से आया मेरे में बदलाव : अर्शदीप

नई दिल्ली । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रेंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगीं जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। उन्होंने 71 मैचों में अब तक 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर , मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली। अर्शदीप का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। वहीं उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कहा कि इस लीग में खेलने से उन्हें पता चला कि अधिक दबाव वाले मैचों में किस प्रकार से खेला जाता है। इसके साथ ही उनका रुख भी खेल को लेकर गंभीर को गया क्योंकि कठिन हालातों में अगर रुख गंभीर नहीं होगा तो उसका नुकसान टीम को हो सकता है।

सऊदी ग्रां प्री से पहले लुईस हैमिल्टन ने फेरारी को लेकर दिया बयान, कहा- टीम पर सबसे ज्यादा रहती है निगाहें

जेद्दाह

सात बार के फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रां प्री से पहले फेरारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फेरारी को अक्सर %क्राइसिस टीम कहकर बुलाया जाता है और लोग इसकी मुश्किलों को ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। हैमिल्टन इस सीज़न में फेरारी टीम के साथ दौड़ रहे हैं और उन्होंने टीम की ताकत और जुनून की भी तारीफ की। फेरारी इतिहास की सबसे बड़ी टीम, इसलिए ज्यादा चर्चा होती है हैमिल्टन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एक तरह से ये उम्मीद की ही जाती है। फेरारी फॉर्मूला 1 इतिहास की सबसे महान टीम है। ज़ाहिर है, इसके बारे में ज्यादा स्टोरीज़ लिखी जाती हैं और लोग अपनी-अपनी राय देते हैं। सब कुछ हमेशा सुचारू नहीं रहा है। उन्होंने आगे कहा, इस टीम में कई शानदार चीज़ें हैं। हम इसके अंदर की ऊर्जा और जुनून को संभालना चाहते हैं। साथ ही इसे सुरक्षित भी रखना ज़रूरी है, क्योंकि इस टीम पर बाकी टीमों के मुकाबले ज़्यादा ध्यान रहता है।

जेद्दाह सर्किट हैमिल्टन का फेवरेट ट्रैक

हैमिल्टन ने जेद्दाह कॉर्निश सर्किट को अपना पसंदीदा ट्रैक बताया। हालांकि, इस ट्रैक को इसकी संकरी लेआउट और हाई-स्पीड कॉर्नर्स की वजह से खतरनाक भी माना जाता है। हैमिल्टन ने कहा, मुझे ये ट्रैक बेहद पसंद है। ये बहुत तेज़ है और ड्राइवरों के लिए काफ़ी चुनौतीपूर्ण भी। गर्मी, तापमान, हाई-स्पीड कॉर्नर्स में जी-फोर्स और तेज़ी से बदलते हालात इसे और मुश्किल बनाते हैं। इसे शब्दों में बयान कर पाना आसान नहीं।

रेस में वन-स्टॉप स्ट्रैटेजी का दबदबा

हैमिल्टन ने सर्किट की सतह को काफ़ी स्मूद बताया और कहा कि ज़्यादातर रेस में वन-स्टॉप स्ट्रैटेजी ही देखने को मिली है। हालांकि, अगर तापमान बढ़ता है तो टीमें दो पिट-स्टॉप करने पर मजबूर हो सकती हैं, जिससे रेस और रोमांचक बन सकती है।

शंघाई में पहली जीत, लेकिन अभी लंबा सफर

हैमिल्टन ने हाल ही में शंघाई स्प्रिंट रेस में अपनी पहली जीत दर्ज की है, लेकिन रविवार को हुई मेन रेस में बहरैन में वो पांचवें स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। मीडियम टायर पर कार का प्रदर्शन बेहतरीन था, लेकिन सेफ्टी कार की एंट्री ने टीम की रणनीति बिगाड़ दी और हार्ड टायर लगाने पड़े, जिससे वो पोडियम की रेस में पिछड़ गए। नई कार में स्टाइल एडजस्ट करना चुनौतीपूर्ण हैमिल्टन ने कहा कि बहरीन में कार का अनुभव सकारात्मक रहा, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आगे की रेस में उसी तरह का प्रदर्शन दोहराया जा सकेगा। उन्होंने कहा, हर बार कार में बैठने पर पुरानी ड्राइविंग स्टाइल पर लौटना आसान होता है। लेकिन मैं कोशिश कर रहा हूं कि लगातार नई स्टाइल को अपनाता रहूं।

धवन का सबसे अधिक चौके मारने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इस बार सबसे अधिक चौके मारने का रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अब तक ये रिकार्ड पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। धवन ने अब तक आईपीएल की 221 पारियों में 768 चौके लगाए हैं। वह आईपीएल में 700 चौके लगाने पहले पहले बल्लेबाज थे। वहीं विराट के नाम अब तक 250 पारियों में कुल 725 चौके हैं। ऐसे में विराट इस बार आईपीएल के बचे हुए मैचों में ये उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। वहीं अगर विराट को धवन का रिकॉर्ज तोड़ना है तो उन्हें कुल 44 चौके लगाने होंगे। वहीं अगर वह 43 चौके लगाते हैं तो वह धवन की बराबरी पर आ जाएंगे पर अगर 44 मार लगाने में सफल रहते हैं तो वह धवन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। विराट ने इस सत्र में अब तक 6 मैचों में वह 20 चौके लगाये हैं। ऐसे में बचे हुए 8 मैचों में उनके लिए 44 चौके लगाना असंभव नहीं है।

17 साल के सफर में विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनी आईपीएल

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 साल पूरे हो गये हैं। आज ही के दिन 18 अप्रैल 2008 को आईपीएल की शुरुआत हुई थी तब किसी को भी अंदाजा नहीं था कि ये एक दिन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन जाएगी और इसी की तर्ज पर कई नई लीग भी उभरेंगी। आईपीएल का शुरुआती मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला गया था। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित उस पहले ही मैच में केकेआर की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

मैक्कुलम केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत के लिए उतरे और उन्होंने जमकर रन बनाये। मैक्कुलम ने केवल 73 गेंदों पर ही नाबाद 158 रन बना दिये। इस दौरान उन्होंने 13 छक्के और 10 चौके लगाये। उसी पारी से सौरव गांगुली की कप्तानी वाली केकेआर ने तीन विकेट पर 222 रन बनाये थे।

इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की पूरी टीम 15.1 ओवरों में ही 82 रनों पर सिमट गई और उसे 140 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा. उस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी राहुल द्रविड़ के पास थी। मैक्कुलम को उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिल था।

आईपीएल के पहले सत्र की विजेता राजस्थान रॉयल्स रही थी। तब रॉयल्स की कप्तान ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वॉर्न कर रहे थे।

आईपीएल के अब तक के सत्रों में कई विवाद भी उभरे हैं। आईपीएल 2010 फाइनल के बाद इसके कमिश्नर रहे ललित मोदी को बीसीसीआई से भ्रष्टाचार के आरोपों में बाहर कर दिया था। वहीं साल 2013 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों पर स्पॉट फिक्सिंग का आरोप लगे थे।

गोल्फ टूर्नामेंट में रिटर्न शॉट लगाते जस्टिन थॉमस

साउथ कैरोलिना में आरबीसी हैरीटेज गोल्फ टूर्नामेंट में जस्टिन थॉमस रिटर्न शॉट लगाते हुए।

बार्सिलोना ओपन : कार्लोस अल्कराज क्वार्टरफाइनल में, लासलो जिरे को सीधे सेटों में हराया

बार्सिलोना,

स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने सर्बिया के लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया।

पहले सेट में किया दबदबा, दूसरे में दिखा संघर्ष

वर्ल्ड नंबर-2 अल्कराज ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में जिरे को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इस सेट में जिरे एक भी विनर नहीं लगा सके, जबकि अल्कराज ने 8 विनर जमाए। दूसरे सेट में जिरे ने वापसी की कोशिश की और 4-2 की बढ़त भी बना ली। हालांकि इसके बाद अल्कराज ने लय पकड़ते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट के साथ मुकाबला भी अपने नाम किया।

मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 4-2 से पिछड़ने के बाद मैंने अपनी असली टेनिस खेली। खुशी है कि सही वक्त पर अपना स्तर बढ़ा सका। उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह खेल जारी रखूंगा। अगले मुकाबले में किससे भिड़ंत अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-7 एलेक्स डी मिनाउर या ब्रिटेन के जैकब फर्नले में से किसी एक से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को चौंकाया दूसरी ओर, स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकीना ने वर्ल्ड नंबर-8 आंद्रे रुब्लेव को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। छह मुकाबलों में यह पहली बार था जब डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को शिकस्त दी। उन्होंने पहले सेट में तीन बार ब्रेक हासिल किया और दूसरा सेट भी शानदार अंदाज़ में 5-4 की बढ़त के बाद बिना कोई पॉइंट गंवाए मैच अपने नाम कर लिया। खाचनॉफ भी क्वार्टरफाइनल में एक अन्य मुकाबले में रूस के कारेन खाचनॉफ ने स्पेन के जौमे मुनार को 7-5, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

वाराणसी की पूजा यादव ने रचा इतिहास, भारतीय महिला हॉकी टीम में बनाई जगह

नई दिल्ली

वाराणसी के ग्रामीण इलाके से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय पूजा यादव ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वह पूर्वांचल क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्हें भारतीय हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह मिली है। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। सेलेक्शन पर बोलीं पूजा – सपनों को दबाएं नहीं, मेहनत करो और उड़ान भरो अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए पूजा यादव ने कहा, जब मुझे टीम में चुने जाने की खबर मिली, तो यकीन नहीं हुआ। घर से हर कोई मुझे फोन कर बधाई देने लगा। मेरे माता-पिता और भाई-बहन बेहद खुश हैं। पहले कभी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा, लेकिन अब वे मुझ पर गर्व कर रहे हैं। पूजा ने आगे कहा, मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मैं पूर्वांचल से भारतीय टीम में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी यह कामयाबी गांव-कस्बों की बाकी लड़कियों के लिए भी प्रेरणा बने। उन्हें अपने सपनों को दबाना नहीं चाहिए। अगर परिवार साथ दे और कड़ी मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं।

नेशनल कैंप में सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव

पूजा यादव ने 23 मार्च 2025 से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में सीनियर नेशनल कैंप में अभ्यास शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने 65 सदस्यीय संभावित

खिलाड़ियों की सूची में भी जगह बनाई थी। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव को लेकर पूजा ने कहा, यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा। सीनियर खिलाड़ियों को देखना और उनके साथ खेलना मेरे खेल को कई गुना बेहतर कर रहा है। सभी बहुत मददगार हैं और हमें लगातार बेहतर करने की सलाह देते रहते हैं।

नेहा बनीं मेंटर और रूम पार्टनर

पूजा ने बताया कि नेहा दीदी से उन्हें खास प्रेरणा मिली है। मैं मिडफील्डर हूं और हमेशा सुषिला दी और नेहा दी को आदर्श मानती थी। अब उनके साथ प्रैक्टिस करना सपना सच होने जैसा है। नेहा दी मेरी रूम पार्टनर भी हैं और उन्होंने खेल के साथ डाइट, रणनीति और भारतीय टीम में खेलने के अनुभव को लेकर बहुत कुछ सिखाया है।

क्रिकेट से हॉकी तक का सफर

पूजा का सफर भी बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने बताया, मैं बचपन में क्रिकेट बहुत खेला करती थी, लेकिन स्कूल में हॉकी खेलने का मौका मिला और वहीं से शौक बना। 2015 में खेलना शुरू किया, पहले राज्य की जूनियर टीम में जगह बनाई और फिर सीनियर टीम में भी शामिल हुई। कई बार जूनियर नेशनल टीम से चूकने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। 2025 की सीनियर महिला नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब नेशनल कैंप तक पहुंची हूं।

ऑस्ट्रेलिया दूर पर फोकस

पूजा का अगला लक्ष्य अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, फिलहाल मेरा ध्यान सिर्फ इसी दौरे पर है। कोशिश करूंगी कि हर मौके का पूरा फायदा उठाऊं और आगे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रख सकूं।

इंसान की कीमत...

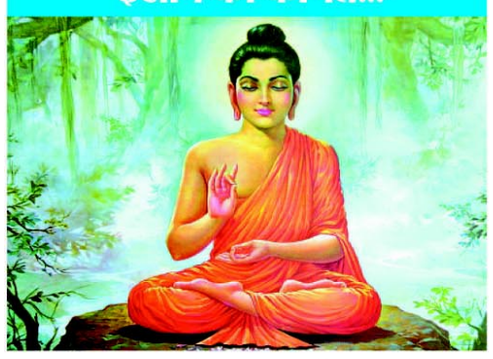

एक बार एक आदमी महात्मा बुद्ध के पास पहुंचा। उसने पूछा, ''प्रभु, मुझे यह जीवन क्यों मिला? इतनी बड़ी दुनिया में मेरी क्या कीमत है? बुद्ध उसकी बात सुनकर मुस्कुराए और उसे एक चमकीला पत्थर देते हुए बोले, ''जाओ, पहले इस पत्थर का मूल्य पता करके आओ। पर ध्यान रहे, इसे बेचना नहीं, सिर्फ मूल्य पता करना है।'' वह आदमी उस पत्थर को लेकर एक आम वाले के पास पहुंचा और उसे पत्थर दिखाते हुए बोला, ''इसकी कीमत क्या होगी? आम वाला पत्थर की चमक देखकर समझ गया कि अवश्य ही यह कोई कीमती पत्थर है लेकिन वह बनावटी आवाज में बोला, ''देखने में तो कुछ खास नहीं लगता, पर मैं इसके बदले 10 आम दे सकता हूं।'' वह आदमी आगे बढ़ गया। सामने एक सब्जी वाला था। उसने उससे पत्थर का दाम पूछा। सब्जी वाला बोला, ''मैं इस पत्थर के बदले एक बोरी आलू दे सकता हूं।'' आदमी आगे चल पड़ा। उसे लगा पत्थर कीमती है, किसी जौहरी से इसकी कीमत पता करनी चाहिए। वह एक जौहरी की दुकान पर पहुंचा और उसकी कीमत पूछी। जौहरी उसे देखते ही पहचान गया कि यह बेशकीमती रूबी पत्थर है, जो किस्मत वाले को मिलता है। वह बोला, ''पत्थर मुझे दे दो और मुझसे 1 लाख रु. ले लो।'' उस आदमी को अब तक पत्थर की कीमत का अंदाजा हो गया था। वह बुद्ध के पास लौटने के लिए मुड़ा। जौहरी उसे रोकते हुए बोला, ''अरे रुको तो भाई, मैं इसके 50 लाख दे सकता हूं।'' लेकिन वह आदमी फिर भी नहीं रुका। जौहरी किसी कीमत पर उस पत्थर को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था, वह उछल कर उसके आगे आ गया और हाथ जोड़ कर बोला, ''तुम यह पत्थर मुझे दे दो, मैं 1 करोड़ रुपए देने को तैयार हूं।'' वह आदमी जौहरी से पीछा छुड़ा कर जाने लगा। जौहरी ने पीछे से अवाज लगाई, ''ये बेशकीमती पत्थर है, अनमोल है। तुम जितने पैसे कहोगे, मैं दे दूंगा।'' यह सुनकर वह आदमी हैरान-परेशान हो गया। वह सीधा बुद्ध के पास पहुंचा और उन्हें पत्थर वापस करते हुए सारी बात कह सुनाई। बुद्ध मुस्कुरा कर बोले, ''आम वाले ने इसकी कीमत '10 आम लगाई', सब्जी वाले ने 'एक बोरी आलू' और जौहरी ने बताया कि 'अनमोल' है। इस पत्थर के गुण जिसने जितने समझे, उसने उसकी उतनी कीमत लगाई। ऐसे ही यह जीवन है। हर आदमी एक हीरे के समान है। दुनिया उसे जितना पहचान पाती है, उसे उतनी महत्ता देती है ...लेकिन आदमी और हीरे में एक फर्क यह है कि हीरे को कोई दूसरा तराशता है और आदमी को खुद अपने आपको तराशना पड़ता है। ...तुम भी अपने आपको तराश कर अपनी चमक बिखेरो।

कभी गरीबी नहीं आएगी...

धनी बनने की चाहत भला किसके मन में नहीं होती। पैसा व्यक्ति की पावर होता है। इसके अभाव में जीवन यापन करना असंभव है लेकिन कुछ लोगों की इच्छा होती है, साईं इतना दीजिए, जामे कुटुब समाए... धर्म पुराणों में कहा गया है जो लोग मेहनती होते हैं उन पर सदा लक्ष्मी मेहरबान बनी रहती हैं। घर में धन-संपत्ति के द्वार खुले रहें यह तभी संभव है जब कुछ खास किया जाए। जिस घर में आदित्य मंत्र का उच्चारण किया जाता हैं उस घर-परिवार में एक हजार वर्ष तक गरीबी नहीं आती। तन, मन और धन से समृद्धि बनी रहती है। यह मंत्र इस प्रकार है- जन्मान्तर सहस्त्रेषु, दारिद्रयं नोपजायते। सुबह उठकर नित्य कामों से निवृत होकर शुद्ध वस्त्र पहनकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं फिर इस मंत्र का जाप करें। अन्य उपाय करना चाहें तो मां अपने हाथों से चावल का एक दाना या चांदी का टुकड़ा अपनी संतान को भेंट स्वरूप दे। संतान इसे संभाल कर रखे धन संबंधित कोई भी समस्या जीवन में कभी सिर नहीं उठाएगी।

नार्सिसिज्म...आधुनिक महामारी

नार्सिसिज्म या आत्ममुग्धता इंसानों की एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसपर सदियों से बहस चल रही है। हालाकि अब समाज विज्ञानियों ने निष्कर्ष निकाला है कि यह प्रवृत्ति दरअसल आधुनिक 'महामारी' में तब्दील हो सकती है। अब सवाल है कि आज के दौर में यह स्थिति कैसे बनी और क्या इससे बचा जाए?

नॉरसिस्ट शब्द एक ग्रीक कथा पर आधारित है। इस शब्द की उत्पत्ति तकरीबन 2000 साल पुरानी है। उस समय ग्रीस के साहित्यकार ओविड ने अपनी रचना लीजेंड ऑफ नार्सिसस में एक खूबसूरत शिकारी नॉरसिस्ट की कहानी लिखी थी जो एक दिन पानी के सोते में अपना प्रतिबिंब देख लेता है और उसके प्यार में पड़ जाता है। यह शिकारी अपनी ही खूबसूरत छवि से इस कदर मुग्ध होता है कि उसके असर से बाहर नहीं निकल पाता। वह अपनी छवि को देखने में इस कदर मोहित होता है कि अपनी छवि को निहारते-निहारते वह उस झील में गिरकर मर जाता है। जहां उसकी मौत होती है वहां एक फूल खिलता है जिसे नार्सिसस कहा जाता है। इसी से नार्सिसिज्म शब्द की उत्पत्ति हुई है। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं। दूसरों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील होते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा तारीफ और स्वीकार्यता इसी तरह के नार्सिसिज्म का लक्षण है। दरअसल, हम सब किसी न किसी तरह इस नॉरसिज्म के भयावह रोग से ग्रस्त हैं और अपना सारा जीवन एक ऐसे आभामंडल के निर्माण में गुजार देते हैं जिसकी रोशनी के तले हम हमेशा चमकदार नजर आते रहे। अपने इस आभामंडल की रचना में हम वे सारे प्रयास करते हैं जो हमारे वश में होते हैं। हमारी शिक्षा-दीक्षा, हमारी पद-प्रतिष्ठा, हमारे रिश्ते-नाते, रहन-सहन, खान-पान, उत्सव आदि तमाम चीजें सिर्फ और सिर्फ अपने आभामंडल की रोशनी को अति चमक प्रदान करने के जतन मात्र होते हैं और अगर इन तमाम प्रयत्नों के बाबजूद यदि ऐसे आभामण्डल की रचना में हम नाकाम होते हैं तो झूठ-फरेब, छल-कपट, लाग-लपेट या अपने बड़बोलेपन से एक भ्रम के आभामंडल को अधिक कीर्ति प्रदान करने के जतन करते हैं। यदि इतना करने पर भी हम हमारे वांछित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते तो हमें अपने आगोश में लेता है अवसाद...और जीवन उद्देश्यरहित और बोझिल जान पड़ता है। नार्सिसिज्म के कई स्तर हैं जहां यह स्वास्थ्यप्रद होने के साथ-साथ भयंकर बीमारी भी हो सकता है। स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म आम इंसानी जीवन में पाया जाता है। लोगों का खुद से प्यार करना, वास्तविक उपलब्धियों के दम पर उनमें आत्मविश्वास आना, किसी तरह के दुःख से उबरने की क्षमता और सामाजिक संबंधों से खुद को ताकतवर समझने की भावना स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म के अंतर्गत आते हैं। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं।

चरित्र की रक्षा अहम

संपत्तिकृत अंधी आत्ममुग्धता के चलते इंसान यह बात भूल गया है कि हमें सिर्फ अपने चरित्र की रक्षा करनी चाहिए। उस चरित्र के प्रताप से पैदा प्रतिष्ठा हमारी रक्षा अपने आप कर लेती है। कितना कुछ कहा जा रहा है, कितने आयोजन-नियोजन किए जा रहे हैं, रिश्तों के हजारों लिबास हम ओढ़ते जा रहे हैं, बुद्धि और मन के अंर्तद्वद्व से निरंतर काफी कुछ निकलकर बाहर आ रहा है, लेकिन ये सारी चीजें मिल कर सिर्फ उस भ्रम के आभामंडल को आकार देने में ही व्यस्त हैं। लोग स्वयं अपने दुर्भावों और दुराचारों से अगर परेशान भी हैं तब भी वे अपने उस आभामंडल को चमकदार साबित करने के जतन में ही लगे हुए हैं। उनकी अंधी आत्ममुग्धता उन्हें उनका ही यथार्थ नहीं देखने देती। ऐसा लगता है इस चमक-दमक के युग में सिर्फ लोगों के जिस्म की बाहरी दीवारों पर डिस्टेंपर पोत दिया गया है। रूह की अंदरूनी दीवारों की परतें या तो उधड़ चुकी हैं या फिर उनपे दीमक लग गई है। हाथी के सिर्फ दिखाने वाले दांतों की ही सत्ता स्वीकृत है उसके चबाने वाले दांतों की हस्ती से ही इंकार कर दिया गया है और सभी उन दिखाने वाले दांतों को ही चमकदार बनाने के जतन में लगे हैं।

समाज में व्यक्तिवाद

नार्सिसिज्म के सिद्धांत को मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने लोकप्रियता दिलाई थी। 'ईगो' और बाहरी दुनिया से उसके संबंध की व्याख्या के जरिए फ्रायड ने नार्सिसिज्म के सिद्धांत को समझाया था। यह व्याख्या नार्सिसिज्म से संबंधित दूसरे सिद्धांतों के विकास की बुनियाद कही जा सकती है। समाज विज्ञानियों का मानना है कि औद्योगीकरण के बाद विकसित हुए समाज में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। बीते दशकों में समाज लगातार सामुदायिकता से व्यक्तिवाद की तरफ बढ़ा है और इसके कारण नार्सिसिज्म 'आधुनिक महामारी' बन रहा है। इन सामाजिक बदलावों ने लोगों में यह भावना भर दी है कि खुद को तवज्जो देना सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों में आत्मविश्वास भरने के लिए उनके शिक्षक और अभिभावक हमेशा यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे कितने खास और सबसे अलग हैं। बच्चों के अपने दम पर कड़ी मेहनत से उपलब्धियां हासिल करने और उसके बूते आत्मविश्वास हासिल करने के पहले ही अभिभावक उनमें जबर्दस्ती आत्मविश्वास भरने की कोशिश करने लगे हैं। समाज में व्यक्तिवाद के बढ़ने और उसके आधुनिक होने की प्रक्रिया में किसी व्यक्ति को अपने समाज या समुदाय से वैसा सहारा नहीं मिल पाता जैसा पहले मिला करता था। जबकि शोध बताते हैं कि सामाजिक संबंधों या अपने समुदाय या दोस्तों से जुड़ा रहना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। वहीं दूसरी तरफ समाज के आधुनिक होने की प्रक्रिया के दौरान सामाजिक प्रतिष्ठा, धन-दौलत और सेलिब्रिटी स्टेटस को सब बातों से ऊपर दर्जा दिया जाने लगा है।

मुमकिन है इलाज

आज पूरी दुनिया में तकरीबन 94 करोड़ लोग फेसबुक के यूजर हैं। हाल ही में हुए कुछ अध्ययन बताते हैं कि फेसबुक की लत का आत्मविश्वास में कमी और नार्सिसिज्म से गहरा संबंध है। इंटरनेट के विकास और खासकर सोशल नेटवर्किंग साइटों की लोकप्रियता हमारे सामाजिक व्यवहार पर बड़ा असर डाल रही है। इनकी वजह से हमारे संवाद के तौर-तरीके बदले हैं। फुरसत का समय हम इन पर बिताने लगे हैं। नार्सिसिज्म पर्सनेलिटी डिसऑर्डर का इलाज मुमकिन है। इसमें दवाओं के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक उपचार भी शामिल है। ध्यान की क्रियाएं भी मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए कारगर साबित होती हैं। इसके अलावा हमें यह भी समझने की जरूरत है कि आत्ममुग्धता के लिए हम जो चीजें चाहते हैं क्या वे वास्तव में हमारी खुशी के लिए जरूरी हैं। हॉवर्ड के मनोवैज्ञानिकों द्वारा 75 साल तक किए गए एक शोध के मुताबिक खुशी पैसे और प्रतिष्ठा से नहीं आती बल्कि इसकी बुनियाद में वे सामाजिक संबंध होते हैं जो आपका सहारा हैं। यही वह सूत्र है जो हमारी सभ्यता को नार्सिसिज्म की महामारी से बचा सकता है।

समता भाव जरूरी

जीवन में हर किसी को अपने आभामंडल के टूटने का दंश सहना पड़ता है और जितना बड़ा इस आभामंडल का रूप होगा, उतना ही गहरा इसके टूटने से पैदा होने वाला अवसाद होगा। जैनदर्शन की वीतरागता, गीता की स्थितप्रज्ञ की संकल्पना या ओशो की संबुद्धि यूं तो एक-दूसरे से काफी विरोधाभास लिए हुए हैं किंतु तीनों ही एक बात की सर्वसामान्य ढंग से पुष्टि करते हैं वह है अनुकूल या प्रतिकूल परिस्थितियों में समता भाव का होना। लेकिन यही साम्यभाव व्यक्ति अपने जीवनकाल में हासिल नहीं कर पाता। तनिक सी उत्तम परिस्थितियां उसे अहंकार के आगोश में इतना ऊपर उठा देती हैं कि वो अपने यथार्थ से कोसों दूर चला जाता है और तनिक सी विषम परिस्थितियां उसे इस कदर खेद-खिन्नता से भर देती हैं कि वो अपने प्राणांत करने से भी नहीं हिचकता।

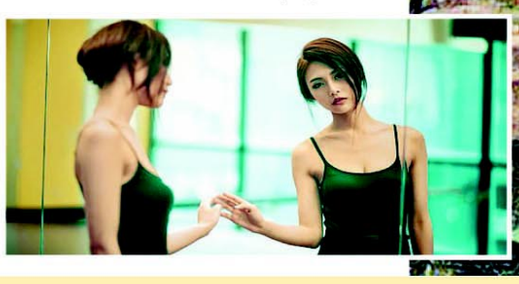

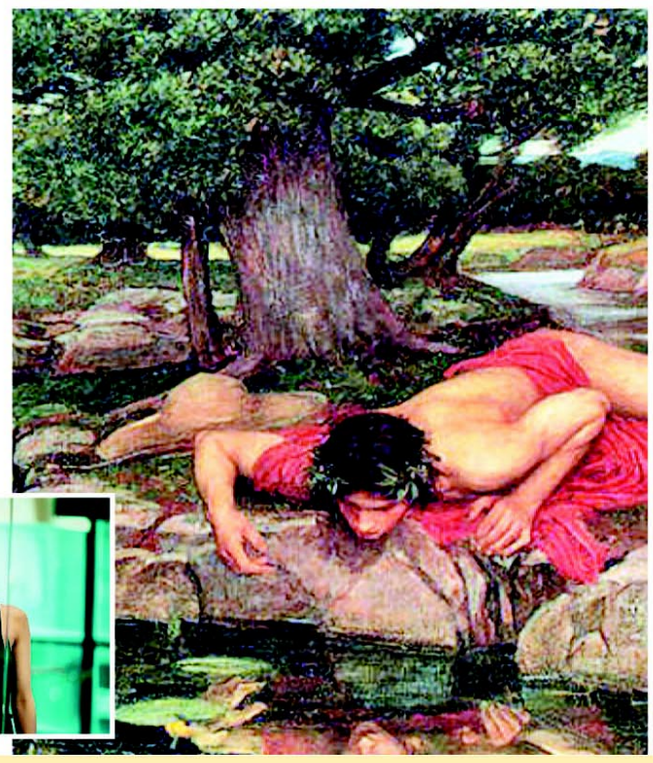

बाहरी आडंबर

निंदा की गर्म हवाओं से मनुष्य को क्रोध की लू लग जाती है और प्रशंसा की ठंडी हवाओं से उसे अभिमान का जुकाम हो जाता है। इन दोनों ही परिस्थितियों में स्वास्थ्य का ह्रास होता होता है। निश्चित तौर पर स्वयं से हमें प्रेम करना चाहिए किंतु उस प्रेम का ग्राफ इस कदर अंधता ग्रसित न हो जाए कि हमें हमारे आसपास किसी चीज की हस्ती नजर आना ही बंद हो जाए। आत्मविश्वास और अहंकार में एक बाल बराबर का ही फर्क होता है। अपनी आत्मिक हस्ती की स्वीकृति या अपने वास्तविक आत्मबल की पहचान से आत्मविश्वास पैदा होता है। इसके अलावा अन्य बाहरी किसी भी आडंबर की प्राप्ति सिर्फ अहंकार को जन्म देती है। चाहे वह रुपया-पैसा हों, चाहे रूप-लावण्य हो या फिर पद-प्रतिष्ठा। इन तमाम चीजों की उपलब्धि में हमें यह बात नहीं भूलना चाहिए कि इनसे निर्मित आभामंडल चाहे कितना भी चमकदार क्यों न हो पर वह निश्चित ही नष्ट होगा और उसमें अवश्यंभावी परिवर्तन होगा। किंतु यही परिवर्तन, जड़ और तुच्छ पदार्थ एक भ्रम का आभामंडल, मिथ्या अहंकार और अंधी आत्ममुग्धता को जन्म देते हैं।

मान-प्रतिष्ठा का पैमाना

मान-प्रतिष्ठा को इस कदर तवज्जों दे दी गई है कि उसके समक्ष तमाम संस्कार, मर्यादाएं, चारित्रिक उज्ज्वलता किसी गर्त में फेंक दिए गए हैं और आज मान-प्रतिष्ठा का पैमाना भी सिर्फ पैसे पर केन्द्रित हो गया है। इस चकाचौंध युक्त वातावरण में मानवीयता की बात ही दुर्लभ है तो फिर दैवीयता की बात कैसे की जा सकती है? जब से हमने प्रतिष्ठा को बाजारू बना दिया है बस तभी से इस अमूल्य वस्तु का मोल बड़ा तुच्छ हो गया है क्योंकि तुच्छ वस्तुओं के ही भाव बढ़ते हैं। महान चीजें तो प्रायः अमूल्य ही होती हैं। आज इंसान बड़ा आदमी कहलाना पसंद करता है बजाय कि भला आदमी कहलाने के।

बच्चों में कार सिकनेस...

असल में कार सिकनेस एक तरह की मोशन सिकनेस ही है। यह तब पैदा होती है जब दिमाग को इनर इयर, आंखों और नर्व्स से मिलने वाली सूचनाओं में गड़बड़ होने लगती है। इसके चलते दिमाग तक यह सूचनाएं सही तरीके से नहीं पहुंच पातीं। यही कारण बनता है कार सिकनेस का। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि जब कार में पिछली सीट पर टिक कर या अधोलेटी अवस्था में बैठा एक बच्चा वीडियो

गेम खेल रहा होता है या किसी खिलौने से खेल रहा होता है तो उसका सिर कार की खिड़की से नीचे होता है और वह बाहर नहीं देख सकता। इस स्थिति में उसका इनर इयर तो गति को महसूस कर सकता है लेकिन उसकी आंखें तथा ज्वाइंट्स इस गति को नहीं महसूसते। ऐसे में दिमाग को परस्पर विरोधाभासी संदेश जाते हैं और वह असमंजस में पड़ जाता है जिससे कार सिकनेस पैदा होने लगती है। यह समस्या 2 से 12 साल के बच्चों को अधिक होती है। जबकि इससे नीचे की उम्र के बच्चों को यह समस्या कम होती है।

कार सिकनेस के लक्षण
- पेट का खराब होना
- ठंडा पसीना आना
- उल्टी-दस्त
- भूख का कम होना
- थकान होना
- कुछ केसेस में हल्का बुखार या बदन दर्द

ये उपाय अपनाएं

कोशिश करें कि सफर के दौरान बच्चा झपकी ले सके। इससे वह तकलीफ से काफी हद तक बच पाएगा। बच्चे को कार के बाहर के दृश्य देखने को प्रेरित करें। इसके लिए आप उसे बाहर की वस्तुओं को देखकर पेंटिंग करने या कोई कहानी बनाने का टास्क दे सकते हैं, इससे वह बाहर देखे और फिर घर जाकर टास्क पूरा करें। इससे उसका दिमाग व्यस्त भी रहेगा और असमंजस में भी नहीं घिर पाएगा सफर के बिलकुल पहले यानी चलते समय या सफर के दौरान बच्चे को खाना न खिलाएं। खासकर गरिष्ठ भोजन से बचें। यदि सफर के दौरान बच्चे को भूख लगती है तो उसे कम मात्रा में कोई हल्का नाश्ता जैसे बिस्किट और कोई सामान्य पेय दें। सोडा युक्त पेय से बचें। कोशिश करें कि कार के भीतर ताजी हवा आ सके और कार के भीतर किसी किस्म की दुर्गन्ध लंबे समय तक न रहे। अगर बच्चे को यह परेशानी बार-बार होती है तो डॉक्टर की सलाह से दवाएं अपने साथ रखें और कोशिश करें कि लंबे सफर के बीच आप छोटे-छोटे ब्रेक लेते रहें। बच्चे का ध्यान तकलीफ की तरफ से हटाए रखें। इससे भी बहुत लाभ मिल सकता है।

नींद की कमी पड़ सकती है सेहत पर भारी, अपनाएं ये 4 आसान उपाय

खानपान की लापरवाही, बिजी लाइफस्टाइल और गैजेट्स से प्यार जैसी आदतों का सीधा असर हमारी नींद पर पड़ता है। रात को देर तक जगे रहने से सुबह थकान और कमजोरी बनी रहती है। हेल्थ पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके, जिनसे आप रात में भरपूर नींद पा सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

सोने का एक शेड्यूल बनाएं, जब तक एक पैटर्न के हिसाब से रुटीन में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक समय से सो नहीं पाएंगे। सोने और जागने का टाइम बनाएं और उसके हिसाब से अपना शेड्यूल बनाएं। शुरूआत में मुश्किल हो सकती है, लेकिन कुछ समय के बाद वो आपकी आदत में शुमार हो जाएगा।

कमरा व्यवस्थित करें

कई बार कमरे की अरेंजमेंट भी नींद न आने का कारण होता है। अगर आप डिम लाइट में सोना पसंद करते हैं तो एक कम वॉट का बल्ब लगाएं। अंधेरा पसंद करते हैं तो मोटे पर्दे लगाएं जिससे बाहर से रोशनी न आ पाए। अपनी चादर, रजाई, तकिए ऐसे रखें, जिनमें आप पूरी तरह से आरामदायक महसूस करे सकें।

गैजेट्स से बनाएं दूरी

मोबाइल फोन और लैपटॉप के इस्तेमाल का एक समय तय करें। रात में नींद न आने का सबसे बड़ा कारण यही होते हैं। ऑफिस के काम को कभी भी घर पर न लेकर आएं। अगर आप 10 या 11 बजे सोते हैं, तो 8 या 9 बजे के बाद मोबाइल फोन को साइलेंट मोड पर रख दें।

वर्कआउट करें

अगर किसी भी तरह से सोने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं तो सुबह या शाम में वर्कआउट जरूर करें। रोज एक्सरसाइज करना सोने में बहुत मददगार साबित होता है। लेकिन अगर शाम को वर्कआउट करते हैं तो सोने से पहले 3-4 घंटे पहले ही उसे खत्म करें।

बॉडी को फिट रखने के लिए करें ये 3 एक्सरसाइज

जरूरी नहीं कि जिम और योगा क्लासेस जाकर ही सेहत बनाई जाए। घर के कामों को करते हुए भी खुद को फिट एंड फाइन रखा जा सकता है। घरेलू काम करने से बॉडी एक्टिव बनी रहती है और उसे एनर्जी भी मिलती है। जानेंगे ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज, जिनसे हिप्स, थाईज और पेट की चर्बी को आसानी से कम किया जा सकता है।

सूमो स्क्वैट्स

कुर्सी लें और उसकी तरफ पीठ करके खड़े हो जाएं। बायां पैर फैलाएं (कमर की चौड़ाई से अधिक दूरी पर) शरीर का वजन एड़ियों पर डालें और पंजे जमीन से ऊपर की ओर उठाएं। सीना तानकर रखें, हाथ नमस्ते की तरह रखें और कुर्सी पर बैठने की अवस्था में आएं, लेकिन बैठें नहीं। तुरंत ऊपर उठें, हाथों को ऊपर उछालें, जैसे हवा में कुछ फेंक रहे हों और शरीर का सारा वजन पंजों पर ले आएं (एड़ियों को उठा लें) इसे 20 बार करें, फिर दाएं पैर से दोहराएं।

वी ट्विस्ट

सीधा खड़े हो जाएं, एड़ियों को पूरी तरह चिपका लें और पंजों को 3 से 4 इंच की दूरी पर रखें। एड़ियों को जमीन से 1-2 इंच ऊंचा उठाएं और घुटने मोड़ें। सीना तानकर रखें। अब हाथों को शरीर से दूर ले जाएं और कोहनियों को थोड़ा मोड़ें, ताकि हाथों को आगे-पीछे घुमाया जा सके। कमर से नीचे का हिस्सा स्थिर रखें और बाईं ओर से पीछे मुड़ें (चित्र में देखें) तुरंत सामने आएं और फिर दाईं ओर से इस प्रक्रिया को दोहराएं। इसे लगातार 20 बार करें। यदि आसानी से घुटने मुड़ पा रहे हों और कमर व घुटनों में दर्द की शिकायत न रहती हो, तो घुटनों को ज्यादा मोड़ें, जैसे कुर्सी पर बैठे हों।

नी कैच

चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। कूल्हों के नीचे एक छोटा-सा तकिया लगा लें और सिर के नीचे हाथों को रखें। पैरों को ऊपर उठाएं और सीधा रखें। ध्यान रहे, पैरों को एकदम ऊंचा नहीं उठाना है, ऐसे में पेट पर बल आएगा, जो शरीर के लिए अच्छा है। अब दाएं पैर के घुटने को थोड़ा-सा मोड़ें। पैर मोड़ने पर दायां तलवा बाएं पैर के टखने तक आना चाहिए। 2-3 सेकंड्स रुकें और पहले वाली अवस्था में आ जाएं। अब यही प्रक्रिया बाएं पैर से दोहराएं। इसे 30 बार करना है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**